अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 264 लखनऊ, सोमवार, 13 अप्रैल 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

तृणमूल का जाना तय, बंगाल में बदलाव की लहर : प्रधानमंत्री

● सिलीगुड़ी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता से किया बदलाव का आह्वान

एजेंसी

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर बंगाल के प्रमुख शहर सिलीगुड़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कंग्रेस पर हमला बोला और राज्य में बदलाव का आह्वान किया।

रविवार दोपहर कावाखाली मैदान में आयोजित इस रैली में भारी भीड़ जुटी। सभा स्थल पर पहुंचते ही प्रधानमंत्री ने लोगों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि इतनी बड़ी भीड़ उन्होंने बहुत कम जगहों पर देखी है। उन्होंने दावा किया कि यह जनसमर्थन स्पष्ट संकेत है कि पश्चिम बंगाल में अब सत्ता परिवर्तन तय है। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तृणमूल कंग्रेस का शासन अब समाप्त होने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों में राज्य ने केवल भ्रष्टाचार और ठहराव देखा है। खासकर युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अब राज्य का भविष्य उनके हाथ में है और उन्हें बदलाव के लिए आगे आना चाहिए।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तृणमूल ने विकास के बजाय ल्लसिंडिकेट और कटमनी संस्कृतिङ्क को बढ़ावा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार गहराई तक फैला हुआ है और आम जनता इससे परेशान है।

प्रधानमंत्री ने उत्तर बंगाल को भारतीय जनता पार्टी का मजबूत गढ़ बताते हुए क्षेत्र के विकास और रोजगार के लिए कई वादे किए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर यहां की सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सभा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने तृणमूल कंग्रेस पर 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' से संबंध रखने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को नुकसान पहुंचाने और उत्तर-पूर्व भारत को देश से अलग करने की साजिश रची थी और तृणमूल ने उन्हें समर्थन दिया। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि सिलीगुड़ी कॉरिडोर देश की सुरक्षा और समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसकी रक्षा व विकास भाजपा की प्राथमिकता है। उन्होंने तृणमूल सरकार की नीति को ल्लउपेक्षा और डरङ्क की राजनीति करार देते हुए कहा कि अब जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी।

आगामी चुनाव परिणामों का जिक्र करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि 4 मई के बाद नई सरकार बनेगी और राज्य में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, ल्लअब डर नहीं, भरोसा चाहिए ऽ यही भाजपा का मंत्र है।ङ्क साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को जवाब देना होगा। कड़ी धूप के बावजूद रैली में भारी भीड़ उमड़ी, जिसे भाजपा अपनी जीत का संकेत मान रही है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने शनिवार को पूर्व बर्धमान, मुर्शिदाबाद और दक्षिण दिनाजपुर में भी जनसभाएं की थीं।

पार्श्वगायिका आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन

एजेंसी

मुंबई। पार्श्वगायिका आशा भोसले का रविवार को यहां ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। वह 92 वर्ष की थी और पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थता के कारण उन्हें यहां भर्ती कराया गया था। ब्रीच कैंडी अस्पताल के डॉ. प्रतीत समदानी ने बताया कि कई अंगों के काम करना बंद कर देने के कारण उनका आज निधन हो गया। उनके बेटे आनंद भोसले ने निधन की पुष्टि की है उन्होंने बताया कि श्रीमती भोसले का पार्थिव शरीर लोगों के दर्शनार्थ कल सुबह 11 बजे उनके आवास पर रखा जायेगा और अपराह्न चार बजे शिवाजी पार्क में उनका अंतिम संस्कार किया जायेगा। श्रीमती भोसले को शनिवार शाम छाती में संक्रमण और कमजोरी की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी पोती जनाई भोसले ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए लिखा था, ''मेरी दादी, आशा भोसले, बहुत कमजोरी और छाती में संक्रमण की वजह से अस्पताल में भर्ती हैं। हम आपसे उनकी निजता का सम्मान बनाए रखने की अपील करते हैं।''पद्म विभूषण और दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित पार्श्वगायिका भोसले 50, 60 और 70 के दशक के बॉलीवुड के संगीत के सुनहरे दौर की आखिरी जीवित हस्ती थीं। इस दौर में लता मंगेशकर, मोहम्मद रफ़ी, किशोर कुमार, मुकेश, मन्ना डे और खुद भोसले जैसी हस्तियां शामिल थीं। वह अपनी सुरीली आवाज़ और बहुमुखी प्रतिभा के लिए मशहूर थीं। उन्होंने फ़िल्मी संगीत, पॉप, ग़ज़ल, भजन, पारंपरिक भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोकगीत, क़व्वाली और रवींद्र संगीत जैसे कई अलग-अलग तरह के संगीत में अपनी कला का प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त

बिहार में मुख्यमंत्री पद को लेकर सरगर्मियां तेज, भाजपा ने शिवराज को बनाया पर्यवेक्षक

नई दिल्ली। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के राज्यसभा का सदस्य बनने के बाद बिहार में मुख्यमंत्री पद के लिए सरगर्मियां तेज हो गई हैं। रविवार को भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने बिहार में पार्टी विधायक दल के नए नेता के चयन के लिए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक बनाया है। उनकी मौजूदगी में विधायक दल की बैठक होगी, जहां नए नेता के नाम पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। भाजपा ने रविवार को जारी विज्ञप्ति में कहा कि पार्टी के संसदीय बोर्ड ने बिहार में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी ने उनके अनुभव और सबको साथ लेकर चलने की क्षमता को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

ओडीओपी के साथ ओडीओसी को भी आगे बढ़ा रही सरकार : ब्रजेश पाठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर में हुए सकारात्मक बदलावों से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तेजी से बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि ल्लएक जनपद एक उत्पादङ्क (ओडीओपी) के साथ-साथ ल्लएक जनपद एक व्यंजनङ्क (ओडीओसी) को भी आगे बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय खाद्य उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।उपमुख्यमंत्री रविवार को एक निजी होटल में आयोजित एमएसएमई ओडीओपी-ओडीओसी समिट/एक्सपो को संबोधित कर रहे थे।

असमय बारिश से तबाह किसान, सरकार ने नहीं दी राहत : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में असमय बारिश, आंधी और ओलावृष्टि से किसानों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन सरकार ने अभी तक कोई ठोस मदद नहीं दी है। श्री यादव ने रविवार को जारी बयान में कहा कि पूरब से पश्चिम तक किसानों की गेहूं, सरसों और अन्य फसलें बर्बाद हो गई हैं। मैनपुरी, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, हाथरस, अयोध्या, मेरठ, पीलीभीत, मथुरा, हरदोई, सोनभद्र और श्रावस्ती समेत कई जिलों में गेहूं की फसल भीगकर खराब हो गई और खेतों में गिरकर नष्ट हो गई। इससे किसान आर्थिक संकट में आ गया है।

योगी सरकार ने गर्मी में बिजली व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए कमर कसी

● यूपीपीसीएल अध्यक्ष ने अधिकारियों को तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

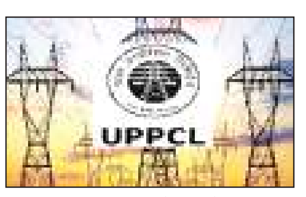

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप दिखना शुरू हो गया है। गर्मी बढ़ते ही बिजली की मांग भी बढ़ जाती है। इसे देखते हुए योगी सरकार अलर्ट मोड पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने अधिकारियों को सचेत किया कि गर्मियों में सभी को बेहतर विद्युत आपूर्ति मिल सके, इसके लिए अभी से पूरी तैयारी कर ली जाय। साथ ही ट्रांसफार्मर खराब न हों, इसके लिए भी पूरी सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं।

डॉ. गोयल ने बताया कि ट्रांसफार्मर के अनुरक्षण के लिए पर्याप्त धनराशि दी गई है। फ्यूज एवं टेललेस यूनिट हर ट्रांसफार्मर पर लगे, इसके लिए निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद अगर ट्रांसफार्मर फुकेंगे तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने अधूरे कामों की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जहां पर भी कार्य काफी पीछे हैं, वहां फर्म के खिलाफ कार्रवाई की जाये। साथ ही अधिकारियों और अवर अभियंताओं पर भी जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जाय।

अध्यक्ष डॉ. गोयल ने अधिकारियों से कहा कि आने वाले दिनों में गर्मी अभी और बढ़ेगी। इसके लिए तैयारी उसी के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि पर्याप्त संख्या में कर्मी उपलब्ध हैं। इसलिए कहीं भी आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। सबको शिड्यूल के अनुरूप बिजली प्राप्त हो। उप्र पावर कार्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष ने कहा कि ट्रांसफार्मर पर जीरो डैमेज नीति है और विद्युत आपूर्ति में ट्रांसफार्मर की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। लापरवाही के कारण अगर विद्युत आपूर्ति प्रभावित होगी तो जिम्मेदारी तय करके कार्रवाई की जाएगी।

पश्चिम बंगाल में परिवर्तन तय : योगी आदित्यनाथ

● मुख्यमंत्री ने बांकुड़ा और पूर्व मेदिनीपुर जिलों में जनसभाओं को किया संबोधित

एजेंसी

बांकुड़ा/पूर्व मेदिनीपुर। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक माहौल गरमाता जा रहा है। इसी बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राज्य के बांकुड़ा और पूर्व मेदिनीपुर जिलों में जनसभाओं को संबोधित करते हुए जनता से सत्ता परिवर्तन का आह्वान किया। योगी आदित्यनाथ ने सोनामुखी और नंदकुमार विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित रैलियों में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों, सोनामुखी से दिवाकर घरामी और नंदकुमार से निर्मल खांड़ा के समर्थन में प्रचार किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता अब विकास, सुरक्षा और सुशासन के लिए बदलाव चाहती है। अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य की जनता तुष्टीकरण की राजनीति को नकार चुकी है और अब विश्वास, सुरक्षा तथा समग्र विकास के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ खड़ी है। उन्होंने दावा किया कि ल्लराष्ट्रवाद की भूमिङ्क पश्चिम बंगाल में अब 'खेला' की राजनीति समाप्त होगी और विकास की नई शुरुआत होगी।

उन्होंने तृणमूल कंग्रेस और वामपंथी दलों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनके शासनकाल में प्रदेश में अराजकता, भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी को बढ़ावा मिला है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इन समस्याओं का समाधान केवल भाजपा की डबल इंजन सरकार ही कर सकती है। सोनामुखी में जनसमर्थन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां की जनता का उत्साह इस बात का संकेत है कि राज्य में ल्लकमलङ्क खिलने वाला है। उन्होंने कहा कि लोग ऐसी सरकार चाहते हैं, जो आस्था, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दे। उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वहां ल्लन कर्फ्यू, न दंगाङ्क की स्थिति है और माफिया व अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जहां भी होती है, वहां कानून-व्यवस्था मजबूत होती है और विकास के नए अवसर पैदा होते हैं। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश में हाल ही में एक दलित हिंदू की हत्या का मुद्दा उठाते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस गंभीर मुद्दे पर राज्य सरकार की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाषा और संस्कृति के नाम पर कठोर राजनीति नहीं चलने दी जाएगी और देशद्रोही ताकतों के मंसूबों को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने दिया जाएगा।

इस्लामाबाद वार्ता विफल, ईरान से अमेरिका का नहीं हो सका समझौता

एजेंसी

इस्लामाबाद। अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद शांति वार्ता विफल हो गई। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल के बीच करीब 21 घंटे तक बातचीत हुई। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पाकिस्तान से स्वदेश रवाना हो गए हैं। पहले यह कहा गया था कि आज भी बातचीत होगी। अमेरिका रवाना होने से पहले वेंस ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बुरी खबर यह है कि हम किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए। उनकी नजर में यह अमेरिका के मुकाबले ईरान के लिए कहीं ज्यादा बुरी खबर है। इसलिए, वह बिना किसी समझौते के अमेरिका लौट रहे हैं।

फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस रविवार को स्थानीय समय अनुसार सुबह 7:09 बजे एयर फोर्स टू में सवार होकर पाकिस्तान से अमेरिका के लिए रवाना हो गए। उन्होंने ईरानी अधिकारियों के साथ 21 घंटे तक चली बातचीत पूरी करने के बाद यह कदम उठाया। यह बातचीत बिना किसी समझौते पर पहुंचे ही समाप्त हो गई।

जेंस ने रविवार सुबह संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि ईरान ने शर्तें स्वीकार न करने का फ़ैसला किया है। अमेरिका के ऑपरेशन एपिक फ़्यूरी' शुरू किए जाने के एक महीने से भी अधिक समय बाद उपराष्ट्रपति शनिवार सुबह ईरान के साथ बातचीत का नेतृत्व करने के लिए पाकिस्तान पहुंचे थे।

डॉन अखबार के अनुसार, वेंस ने दोनों देशों के बीच हुई सीधी बातचीत के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। वेंस ने कहा, ''हम पिछले 21 घंटों से इस पर काम कर रहे हैं और हमने गंभीर चर्चा की हैं। बुरी खबर यह है कि हम किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं।'' उपराष्ट्रपति ने कहा, ''हमने यह साफ कर दिया है कि हमारे लक्ष्य क्या हैं। हमने यह भी साफ कर दिया कि ईरान की किन बातों को हम मानने को तैयार हैं। मगर ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने हमारी शर्तें मानने से इनकार कर दिया है।'' वेंस संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तारीफ की उन्होंने बेहतरीन मेजबान बताया।

प्रदेश के 49 बस स्टेशनों के विश्वस्तरीय कायाकल्प को सरकार ने दी मंजूरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर फ़ेज-2 के तहत बस स्टेशन विकास परियोजना को सरकार से स्वीकृति मिल गई है। जिसके तहत प्रदेश के 49 प्रमुख बस स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा। इन बस स्टेशनों को आधुनिक, विश्वस्तरीय एवं बहुउद्देश्यीय बस टर्मिनल के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां यात्रियों को उन्नत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। परियोजना के अंतर्गत शीघ्र ही डेवलपर्स के चयन के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जो पारदर्शी और प्रतिस्पर्धात्मक होगी।

प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने एक बयान जारी कर बताया कि पीपीपी मॉडल के तहत बनने वाले इन बस स्टेशनों में स्वच्छता, सुरक्षा और डिजिटल सूचना प्रणाली की बेहतर व्यवस्था होगी।

वृंदावन नाव हादसा : युवती सहित दो शव और बरामद

● मृतकों की संख्या 13 हुई, तीन की खोज जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मथुरा। पंजाब के श्रद्धालुओं की वृंदावन में यमुना नदी में पलटी मोटरबोट के दो और लोगों के शव बचाव दल ने बरामद कर लिएहैं। इस हादसे में मरने वालों की संख्या 13 हो गई है। अभी तीन और लोगों की तलाश जारी है। पंजाब के श्रद्धालुओं की मोटरबोट यमुना नदी में पटलने के बाद डूबे लोगों की तलाश में बचाव दल ने रविवार की सुबह फिर खोजबीन शुरू की।आज सुबह महिला सहित दो श्रद्धालुओं के शव बरामद हुए हैं।

इस संबंध में एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि सुबह पहले यमुना नदी से एक युवक का शव बरामद हुआ है। उसकी पहचान लुधियाना के जगराओं निवासी ऋषभ शर्मा के रूप में हुई है। उसका शव अक्रूर घाट के पास मिला है। इसके बाद बचाव दल ने एक महिला का भी शव देवरहा बाबा घाट के पास बरामद किया।

विवादित यूजीसी के खात्मे की नींव पड़ी!

अभयानंद शुक्ल, कार्यकारी सम्पादक

● पड़ गई यूजीसी और एआईसीटीई के विलय की बुनियाद
● यूजीसी के विवादित रेगुलेशन बदलने का भी रास्ता साफ
● एआईसीटीई के सदस्य सचिव को दिया गया यूजीसी का चार्ज
● 15 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में है यूजीसी मामले की सुनवाई

लखनऊ। सवर्णों की नाराजगी का कारण बने यूजीसी के नए रेगुलेशन की समाप्ति का रास्ता साफ होता दिखाई दे रहा है। केंद्र सरकार ने यूजीसी के सचिव को हटाकर उनका चार्ज एआईसीटीई के सचिव को दे दिया है। आगामी 15 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली यूजीसी मामले की सुनवाई के पहले किया गया ये बदलाव काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एक जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार की योजना है कि यूजीसी और एआईसीटीई का विलय दिया जाए, और इसी बहाने यूजीसी के विवादित रेगुलेशन को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया जाए। यूजीसी को लेकर हुई छीछालेदर के चलते केंद्र सरकार भी बैक फुट पर आ गई है। चर्चा है कि बीच का रास्ता निकालते हुए दोनों निकायों को एक करने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

एक ताजा घटनाक्रम में केंद्र सरकार ने यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सेक्रेटरी मनीष जोशी को पद से हटा दिया है। जोशी का चार्ज एआईसीटीई यानी आल इंडिया कौंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन के सदस्य सचिव श्याम रथ को सौंपा गया है। ये नयी व्यवस्था 25 अप्रैल से प्रभावी होगी।

अब इस बदलाव से उन चर्चाओं को भीइबल मिला है, जिनमें ये कहा गया है कि केंद्र सरकार यूजीसी और एआईसीटीई का विलय करने जा रही है, ताकि यूजीसी की गलतियां सुधारी जा सकें। ऐसे में खबर है कि आने वाली 15 अप्रैल को यूजीसी के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी है।

अब इस बात की भी आशंका है कि 15 अप्रैल को होने वाली सुनवाई शायद टल जाए क्योंकि एआईसीटीई के सदस्य सचिव श्याम रथ, जिन्हें यूजीसी का चार्ज दिया गया है, अपना पक्ष रखने के लिए टाइम ले सकते हैं।

वैसे तो श्याम रथ की यूजीसी में नियुक्ति 25 अप्रैल से प्रभावी होगी, लेकिन क्योंकि इस आदेश की घोषणा हो गई है, ऐसे में शीर्ष कोर्ट इसका भी संज्ञान ले सकता है। केंद्र सरकार के वकील इस बदलाव को सुप्रीम कोर्ट के सामने रखकर समय की मांग कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि यूजीसी के नए नियमों को लेकर सवर्ण समाज बहुत नाराज और आंदोलित है। देश में जगह-जगह धरना-प्रदर्शन हो रहा है। सोशल मीडिया से लेकर अन्य सभी संचार माध्यमों में यूजीसी रेगुलेशन के नए नियमों का विरोध किया जा रहा है और उन्हें सवर्णों के खिलाफ बताया जा रहा है। एक सच्चाई यह भी है कि इन नियमों को लेकर भाजपा बैकफुट पर है, उसे अपने कोर वोटर के छिटकने का खतरा हो गया है।

सोशल मीडिया पर आ रही सूचनाओं पर यकीन करें तो यूजीसी का नया रेगुलेशन भाजपा के लिए भारी पड़ सकता है। यूजीसी में होने वाले इस नए बदलाव की जानकारी देते हुए अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर हरबंश सिंह और राष्ट्रीय महासचिव राघवेंद्र सिंह राजू ने कहा कि यूजीसी में यह बदलाव स्वागत योग्य है। दोनों का मानना है कि ये बदलाव यूजीसी कानून की वापसी का संकेत है।

उत्तर प्रदेश की आईजीआरएस की रिपोर्ट में रामपुर ने मारी बाजी, अन्य जिलों का प्रदर्शन भी रहा बेहतर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- प्रदेश भर में बुनियादी सुविधाओं का हो रहा विस्तार, हर वर्ग का हो रहा उत्थान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पिछले नौ वर्षों से समग्र विकास की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। इस दौरान प्रदेश में न केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है, बल्कि समाज के हर वर्ग का उत्थान भी सुनिश्चित किया जा रहा है। इसमें एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) अहम भूमिका निभा रहा है। आईजीआरएस से जनसुनवाई, जन कल्याणकारी योजनाओं और राजस्व कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है, जिससे जिलों को बेहतर प्रशासनिक मानक स्थापित करने में मदद मिल रही है। इसी कड़ी में रविवार को आईजीआरएस की मार्च माह की रिपोर्ट में प्रदेशभर में रामपुर ने 139 अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि हाथरस और बाराबंकी ने बराबर अंक प्राप्त कर दूसरा तो शाहजहांपुर और पीलीभीत ने बराबर अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। आईजीआरएस द्वारा हर माह जिलों के राजस्व कार्यों, विकास कार्यों और जन शिकायत की सुनवाई की रिपोर्ट जारी की जाती है।

आईजीआरएस द्वारा प्रदेशभर के जिलों में 49 विभागों के 109 कार्यक्रमों की विभिन्न मानकों के आधार पर समीक्षा की जाती है। इसके बाद जिलों की रैंकिंग जारी की जाती है। आईजीआरएस की फरवरी माह की रिपोर्ट के अनुसार रामपुर ने मानक पूर्णांक 140 नंबर के सापेक्ष 139 अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसका रेश्यो 99.29 प्रतिशत है। जिलाधिकारी रामपुर अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि रामपुर में विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। इसके साथ ही आईजीआरएस के जरिये मिलने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण तरीके से त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। हाथरस जिलाधिकारी अतुल वत्स ने बताया कि विकास परियोजनाओं के गुणवत्तापूर्ण और तय समय सीमा में पूरा करने के लिए हर हफ्ते अधिकारियों के साथ बैठक कर समीक्षा की जाती है। साथ ही आम जनमानस की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जा रहा है। उनकी समस्या के निस्तारण के संतोषजनक फीडबैक पर ही आईजीआरएस की रिपोर्ट जारी की जाती है। ऐसे में आईजीआरएस की मार्च माह की रिपोर्ट में हाथरस पूरे प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। हाथरस ने पूर्णांक 140 नंबर के सापेक्ष 137 अंक प्राप्त किये। इसी तरह बाराबंकी ने भी 137 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। शाहजहांपुर और पीलीभीत ने पूर्णांक 140 नंबर के सापेक्ष 136 बराबर-बराबर अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। वहीं सोनभद्र, कन्नौज, अंबेडकरनगर और हापुड़ ने बराबर-बराबर 135 अंक प्राप्त कर चौथा स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा बरेली, आजमगढ़, लखीमपुर खीरी ने 134 अंक हासिल कर पांचवां स्थान प्राप्त किया। वहीं टॉप टेन जिलों में हमीरपुर, सहारनपुर, बलिया, प्रयागराज और मथुरा ने जगह बनाई है।

भाजपा के पूर्व सांसद हरिनारायण राजभर का लखनऊ के मैक्स हास्पिटल में निधन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के नेता व घोसी के पूर्व सांसद हरिनारायण राजभर का रविवार को लखनऊ के मैक्स हास्पिटल में निधन हो गया। वह 76 वर्ष के थे। शनिवार को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार को इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की सूचना मिलते ही प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के.शर्मा ने मैक्स अस्पताल पहुँचकर उनके अंतिम दर्शन किए और परिजनों को ढ़ांढस बंधाया। हरिनारायण राजभर पूर्वांचल के पुराने भाजपा नेताओं में थे। वह एक बार सांसद,दो बार विधायक व प्रदेश सरकार में मंत्री भी रहे। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह व पूर्व मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह के करीबी थे।

संक्षिप्त समाचार

केजीबीवी का कायाकल्प, सुविधाओं का अभूतपूर्व विस्तार

लखनऊ। योगी सरकार ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय केजीबीवी व्यवस्था में व्यापक और ठोस सुधार सुनिश्चित किया है। हालिया आंकड़े बता रहे हैं कि प्रदेश में एक ओर जहां रिक्त पदों को तेजी से भरने की प्रक्रिया आगे बढ़ी है, दूसरी ओर आधारभूत ढांचे और छात्राओं की दैनिक सुविधाओं के विस्तार में भी प्रगति दर्ज की गई है। टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता लाने के लिए राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा स्पष्ट दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। अब बेसिक शिक्षा विभाग खाद्यान्न, दैनिक उपयोग सामग्री एवं स्टेशनरी की आपूर्ति कर रहा है।योगी सरकार की नीतिगत सख्ती, सतत निगरानी और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली के चलते केजीबीवी अब आवासीय विद्यालय के साथ-साथ सुरक्षित, सुसज्जित और आधुनिक शैक्षिक परिसरों के रूप में विकसित हो रहे हैं। यह परिवर्तन प्रदेश की बेटियों को बेहतर अवसर, सुविधाएं, सशक्त भविष्य प्रदान करने की दिशा में मजबूत कदम है।केजीबीवी के अंतर्गत एकेडमिक हॉस्टल, अतिरिक्त डॉरमेट्री, कंप्यूटर लैब और टॉयलेट ब्लॉक जैसी आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया गया है। आंकड़ों के अनुसार कई जिलों में इन कार्यों को पूर्ण कर छात्राओं को बेहतर आवासीय एवं शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराया गया है।केजीबीवी के रिक्त पदों में सुधार की प्रक्रिया तेज है। आंकड़े बताते हैं कि प्रयागराज (43), बलिया (42), उन्नाव (39) और एटा (35) जैसे जनपदों में उच्च रिक्तियों को चिह्नित कर उनकी पूर्ति की प्रक्रिया तेज की गई है। ऐसे जनपदों में आवेदकों की स्क्रीनिंग प्रगति पर है। श्रावस्ती, रायबरेली, आजमगढ़, ललितपुर जैसे कई जनपदों में कोई भी पद रिक्त नहीं। ऐसे जिलों में रिक्तियों की संख्या शून्य होना प्रभावी मॉनिटरिंग और जवाबदेही आधारित व्यवस्था का संकेत है। छात्राओं के दैनिक जीवन को सुगम बनाने के लिए रोटी मेकिंग मशीन, सोलर गीजर, जेनसेट एवं वाशिंग मशीन जैसी सुविधाओं का प्रावधान किया गया है।

यूपीपीसीएल अध्यक्ष ने दिए अधिकारियों को तैयारी पूरी करने के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप दिखना शुरू हो गया है। गर्मी बढ़ते ही बिजली की मांग भी बढ़ जाती है। इसे देखते हुए योगी सरकार अलर्ट मोड पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने अधिकारियों को सचेत किया कि गर्मियों में सभी को बेहतर विद्युत आपूर्ति मिल सके, इसके लिए अभी से पूरी तैयारी कर ली जाय। साथ ही ट्रांसफार्मर खराब न हों, इसके लिए भी पूरी सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं। डॉ. गोयल ने बताया कि ट्रांसफार्मर के अनुरक्षण के लिए पर्याप्त धनराशि दी गई है। फ्यूज एवं टेललेस यूनिट हर ट्रांसफार्मर पर लगे, इसके लिए निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद अगर ट्रांसफार्मर फुकेंगे तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने अधूरे कामों की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जहां पर भी कार्य काफी पीछे हैं, वहां फर्म के खिलाफ कार्रवाई की जाये। साथ ही अधिकारियों और अवर अभियंताओं पर भी जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जाय। अध्यक्ष डॉ. गोयल ने अधिकारियों से कहा कि आने वाले दिनों में गर्मी अभी और बढ़ेगी। इसके लिए तैयारी उसी के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि पर्याप्त संख्या में कर्मी उपलब्ध हैं। इसलिए कहीं भी आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। सबको शिड्यूल के अनुरूप बिजली प्राप्त हो। ट्रांसफार्मर पर जीरो डैमेज नीति है और विद्युत आपूर्ति में ट्रांसफार्मर की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। लापरवाही के कारण अगर विद्युत आपूर्ति प्रभावित होगी तो जिम्मेदारी तय करके कार्रवाई की जाएगी। लखनऊ में बिजली व्यवस्था सुचारु बनी रहे, इसको लेकर जिम्मेदार अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। राजधानी में ट्रिपिंग नहीं होनी चाहिए। विद्युत दुर्घटनाओं पर भी जीरो टॉलरेंस नीति लागू है।

जनगणना में पूरी गंभीरता से हिस्सा लें: मौलाना ख़ालिद रशीद

- धर्म और भाषा की जानकारी सही-सही दर्ज कराएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने एक बयान में मुसलमानों को सलाह दी है कि वे जनगणना के काम में पूरी गंभीरता और उत्साह के साथ हिस्सा लें। उन्होंने खास तौर पर जोर दिया कि जनगणना के फॉर्म में धर्म और मातृभाषा के कॉलम को बहुत सावधानी और अहमियत के साथ भरें। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि आप सब को मालूम है कि देश में जनगणना का काम शुरू हो गया है। इसलिए आप सभी से गुजारिश है कि जब सरकारी कर्मचारी इस काम के लिए आपके पास आएं, तो धर्म के खाने में इस्लाम लिखवाएं। इसी तरह मातृभाषा के खाने में ''उर्दू'' लिखवायें। उन्होंने कहा कि हम मुस्लिम हैं। हमारे धर्म का नाम इस्लाम है, यह हमारी पहचान है। हमारी मातृभाषा उर्दू है। उर्दू हमारी तहजीब (संस्कृति), हमारी पहचान, हमारी विरासत और हमारी ताकत है। हमारी दौलत है। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि हमारे देश में इस्लाम को मानने वालों की बहुत बड़ी संख्या आबाद है। इसी तरह, देश के एक बड़े हिस्से की मातृभाषा उर्दू है। जब हम अपने धर्म और भाषा के सही आंकड़े दर्ज करवाएंगे, तभी सरकार के पास हमारी सही जानकारी पहुंचेगी। इसी जानकारी के आधार पर हमारे धर्म और हमारी जबान की हिफाजत और तरक्की के लिए योजनाएं बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि देश में धर्म और भाषा के सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की गारंटी आपका सहयोग ही है। इसलिए एक जिम्मेदार नागरिक होने का सबूत दें, जनगणना में हिस्सा लें और देश व समाज की तरक्की में अपना योगदान सुनिश्चित करें।

कुर्सी रोड महायोजना को लेकर केन्द्रीय रक्षामंत्री से मिलेंगे व्यापारी

- महायोजना के पुर्नविचार को लेकर एकजुट हुये व्यापारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। कुर्सी रोड के व्यापारियों, उद्यमियों, शिक्षण संस्थानों व धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधियों एवं भवन स्वामियों ने आज यहां बैठक कर कुर्सी रोड महायोजना-2031 के पुर्नविचार की मांग को लेकर केन्द्रीय रक्षामंत्री व शहर के सांसद श्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करने का निर्णय लिया है। इसके लिये मुलाकात करने के लिये अतिशीघ्र प्रतिनिधि मण्डल का गठन किया जायेगा। आज यहां कुर्सी रोड स्थित एसएस गै्रण्ड होटल में हुयी बैठक में अंजनी पांडे, राष्ट्रीय अध्यक्ष, संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल, कमलेश यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्रमिक जनशक्ति किसान यूनियन, ऋषि त्रिवेदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा, चन्द्रमौलि शुक्ला, पंकज तिवारी, अध्यक्ष जनविकास महासभा सहित उद्यमियों आराधना कुमार, मोहम्मद सलीम सहित काफी संख्या व्यापारी, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधि व भवन स्वामी मौजूद थे। बैठक में कुर्सीरोड महायोजना-2031 को हजारों लोगों की रोजी-रोटी छिनने वाला बताते हुये कहा गया कि इस महायोजना-2031 को हर हाल में रोकने के लिये हर संभव प्रयास किये जायेगें और इसके लिये व्यापारियों व उद्यमियों का एक प्रतिनिधि मण्डल लखनऊ या दिल्ली स्थित आवास पर केन्द्रीय रक्षामंत्री एवं लखनऊ के सांसद श्री राजनाथ सिंह से मुलाकात इस मामले हस्तक्षेप की मांग करेंगे। मालूम हो कि इस महायोजना के अन्तर्गत कुर्सी रोड के चौड़ीकरण के अन्तर्गत टेढ़ी पुलिया से सिकन्दरपुर चौराहे तक 45 मीटर, सिकन्दरपुर चौराहे से कॉरपोरेशन बैंक, मिश्रपुर तक 80 मीटर और कॉरपोरेशन बैंक से बसहा तक 150 मीटर तथा बसहा से बेहटा तक 100 मीटर रोड चौड़ी करने का प्रस्ताव है, जिसके लागू होने से हजारों व्यापारी, गृह स्वामी, मल्टी स्टोरी, होटल, छात्रावास, धार्मिक स्थल पूर्णतः ध्वस्त होने की कगार पर है, जिससे लोगों की न सिर्फ पूरे जीवन की कमाई दांव पर लगी है बल्कि हजारों परिवारों के सामने जीवनयापन पर संकट खड़ा हो जायेगा।

जेद्दा जाने वाले 54-यात्रियों को विमान से उतारा, घर लौटे यात्री

लखनऊ। सऊदी एयरलाइंस की जेद्दा जाने वाली फ्लाइट एसवी-893 से 54 यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर ही उतार दिया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, ये सभी यात्री लखनऊ से जेद्दा जाते। वहां से दुबई कनेक्टिंग फ्लाइट एसवी-588 से जाना था। लेकिन, कनेक्टिंग फ्लाइट को अचानक रद्द कर दिया गया इस वजह से यात्रियों के टिकट रद्द कर दिए गए और उन्हें लखनऊ में ही रोक दिया गया। यह घटना बीती रात करीब 12.30 बजे हुई। उड़ान का निर्धारित समय तड़के 2.30 बजे था। इस अचानक लिए गए फैसले से यात्रियों में भारी नाराजगी देखी गई। यात्रियों ने आरोप लगाया कि उन्हें समय रहते सूचना नहीं दी गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। शुरुआत में रिफंड न मिलने से वो आक्रोशित भी थे। बाद में एयरलाइन अधिकारियों ने रिफंड का आश्वासन दिया, जिसके बाद यात्री घर लौट गए। सूत्रों का यह भी कहना है कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे तनाव और युद्ध जैसी स्थिति के कारण कनेक्टिंग फ्लाइट रद्द की गई। हालांकि, इस संबंध में एयरलाइन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

एमएसएमई सेक्टर में बदलाव से रोजगार के अवसर बढ़े: ब्रजेश पाठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उद्योग संवाद के तत्वावधान में आज होटल रेनेसा गोमती नगर लखनऊ में आयोजित एमएसएमई ओडीओपी-ओडीओसी समिट,एक्सपो के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर में बदलाव आने से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि एक जनपद एक व्यंजन को भी आगे बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं, इससे हमारे खाद्य उत्पाद, देश के प्रत्येक जनपद तक पहुंचेंगे और रोजगार के नए अवसर बनेंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और उद्योग संवाद के प्रमुख अमित गुप्ता ने रितेश अग्रवाल, मनोज गोयल और रोहित महेश्वरी को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर उद्यम रत्न अवार्ड से सम्मानित किया। समारोह में अमित गुप्ता ने कहा कि एक जनपद एक उत्पाद के अंतर्गत सबसे अधिक कार्य उत्तर प्रदेश में हुआ है, उसी तरह एक जिला एक व्यंजन में जौनपुर की इमरती, बांदा का सोहन हलवा, आगरा का पेठा यह सब स्थानीय खाद्य परम्परा की विरासत हैं, इन्हें लोकल से वोकल के माध्यम से देश में जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को जिले से बाहर निकल कर व्यापार करना होगा, इससे व्यापार बढ़ने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने इस अवसर पर उप-मुख्यमंत्री से तीन सूत्रीय मांग रखी जिसमें संस्था के लिए राजधानी में एक कार्यालय आवंटित करने सहित अन्य दो मांगे शामिल रहीं। कार्यक्रम में मुकेश मेश्राम ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक संभावनाओं वाला प्रदेश है, यहां आबादी के हिसाब से जरूरतें भी ज्यादा हैं, चाहें पशुधन हो,मत्स्य पालन हो, मुर्गी पालन हो सरकार हर स्तर पर मदद को तैयार है। इसके लिए पशुधन विभाग ने वाट्सएप चौनल बनाया है और सरकार कुछ दिनों में स्वर्ण दुग्ध महोत्सव आयोजित करने जा रही है। कोई भी जन साधारण इसके जरिए रोजगार शुरू कर सकता है और अच्छी खासी सब्सिडी प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम में बी.के.वर्मा संयुक्त निदेशक, एमएसएमई-डीएफओ कानपुर ने कहा कि आज एम एस एम ई में रजिस्ट्रेशन सिर्फ पोर्टल या मोबाइल के माध्यम से हो सकता है, इतना ही नहीं भारत सरकार नें ऐसी व्यवस्था बनाई है, कि कोई भी व्यापारी अपना प्रोडक्ट सरकार द्वारा निर्धारित जगह पर बेचकर मुनाफा निकाल सकता है, सरकारी स्तर पर उसकी मार्केटिंग व ब्रांडिंग की जाती है।इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, गुलशन डंग, अनीता अग्रवाल, रवीन्द्र जायसवाल, रितेश अग्रवाल, गोविंद बाबू टाटा, आलोक आर्या, जगत नारायण अग्रवाल, पवन अग्रवाल, आशीष गोयल, पंडित गजेंद्र शर्मा सहित उत्तर प्रदेश और देश के विभिन्न प्रदेशों के व्यापरियों ने भाग लिया। इस अवसर पर एमएसएमई ओडीओपी-ओडीओसी एक्सपो में चन्दौली के जरी और जरदोजी उत्पाद, प्रतापगढ़ के आंवले का मुरब्बा, लखनऊ की चिकनकारी के कुर्ते और साड़ियां, बांदा का सोहनहलवा और बालूशाही, जौनपुर की इमरती, आगरे के लेदर उत्पाद,पेठे और पेड़े आदि के स्टाल आकर्षण का केन्द्र बने।

विश्व धरोहर सप्ताह 2026: अब आम लोग भी बनेंगे अपनी विरासत के कहानीकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- जनभागीदारी से सशक्त होगी हमारी सांस्कृतिक विरासत: जयवीर सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने विश्व धरोहर सप्ताह के मौके पर लोगों के लिए दो विशेष अभियान शुरू किए हैं। इनका उद्देश्य है कि आम लोग भी अपनी आसपास की विरासत (हेरिटेज) को पहचानें, उसे साझा करें और उससे जुड़ाव महसूस करें। पहला अभियान है 'यूपी हेरिटेज थ्रू माई लेंस' इसमें आप अपने मोबाइल से किसी भी पुराने या अल्पज्ञात ऐतिहासिक स्थल की फोटो, कोई स्थानीय मंदिर का छोटा वीडियो बनाकर भेज सकते हैं। यह कोई पौराणिक स्थान या ऐतिहासिक मेला, अल्पज्ञात किला या तीर्थस्थल, आपके क्षेत्र का कोई विशेष स्थान हो सकता है, जिसके बारे में ज्यादा लोग नहीं जानते। दूसरा अभियान 'शेयर योर पर्सनल ट्रेजर' है, जिसके तहत लोग अपने घरों में सहेजकर रखी गई पुश्तैनी वस्तुएं, पुरानी मुद्राएं (सिक्के), गुल्लक, चिट्ठियां, पारंपरिक आभूषण, पुश्तैनी बर्तन या पुराने जमाने के विशेष ताले जैसी वस्तुएं शामिल हैं, जो परिवार के लिए विशेष महत्व रखती हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, ‌विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर शुरू किए गए ये अभियान आम लोगों को अपनी विरासत से जोड़ने की एक खास पहल हैं। 'हेरिटेज थ्रू माई लेंस' और 'पर्सनल ट्रेजर' के जरिए अब हर व्यक्ति अपनी नजर से अपनी धरोहर को पहचान सकता है और उसकी कहानी दुनिया के सामने ला सकता है। हम चाहते हैं कि खासकर युवा पीढ़ी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले और अपनी संस्कृति, परंपराओं और जड़ों पर गर्व महसूस करे। अपर मुख्य सचिव, पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य, अमित अभिजात ने बताया कि ऐसी पहलें पर्यटन को एक नए दौर में ले जा रही हैं, जहां लोग सिर्फ दर्शक नहीं बल्कि सक्रिय भागीदार बनते हैं। अब आम नागरिक खुद तय करेंगे कि उनकी धरोहर क्या है और उसे कैसे प्रस्तुत किया जाए। इससे न सिर्फ स्थानीय स्तर पर छिपी हुई विरासत सामने आएगी, बल्कि उन स्थलों और परंपराओं को भी पहचान मिलेगी, जिन्हें भविष्य में राज्य के पर्यटन नक्शे पर खास जगह दी जा सकती है। अच्छी बात यह है कि इसमें भाग लेना बहुत आसान है। आप सिर्फ मोबाइल से फोटो या वीडियो बनाकर भेज सकते हैं। किसी खास उपकरण या प्रोफ़ेशनल कैमरे की जरूरत नहीं है। इन अभियानों की खास बात यह है कि चुनी गई बेहतरीन प्रविष्टियों को पुरस्कार मिलेगा। साथ ही 'पर्सनल ट्रेजर' कैटेगरी की कुछ एंट्री राज्य संग्रहालय में भी प्रदर्शित की जाएंगी। इन दोनों प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने की आखिरी तारीख 18 अप्रैल 2026 है। इच्छुक लोग उत्तर प्रदेश पर्यटन की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। अब मौका है कि आप भी अपनी विरासत को दुनिया के सामने लाएं और उसकी कहानी खुद सुनाएं।

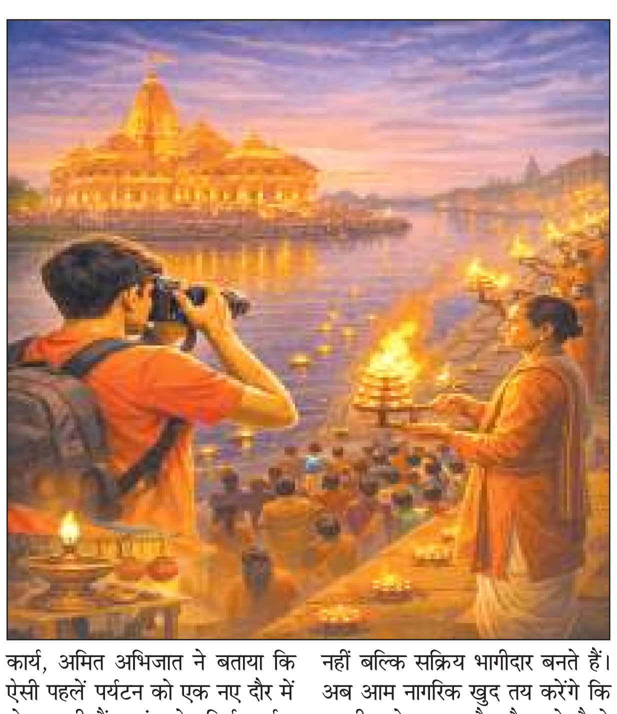

शहरी वोटर ज्यादा कटे, समीकरण साधने में जुटी सियासी पार्टियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2.04 करोड़ कटने के बाद राजनीतिक दलों में खासी बेचौनी बताई जा रही है। जानकारों से कहना है कि एसआईआर में सर्वाधिक वोट शहरी क्षेत्रों के कटे हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़े हैं।कई सीटों का सियासी समीकरण बदल गये।सपा, कांग्रेस ही नही बीजेपी में भी कम बेचौनी नही है।शहरी वोट हमेशा से भाजपा के माने जाते रहे हैं। वोट कटने के बाद कई वीआईपी सीटों का भी गुणा-गणित बदल गया है। लखनऊ कैंट सीट को ही ले लीजिए, यहां सर्वाधिक 124962 वोट कटे हैं। इसीलिए विधानसभा चुनाव के समय टिकट बंटवारे से लेकर जातीय समीकरण के लिए राजनीतिक दलों को नए सिरे से समीकरण बैठाना पड़ सकता है। अभी से इसकी रणनीति बनाने में जुट भी गए हैं।एसआईआर के आंकड़े बता रहे हैं कि मुस्लिमों समुदाय के अधिकतर लोग वोट बचाने में सफल रहे हैं। मतदाता सूची के मुताबिक लखनऊ कैंट 34.18, इलाहाबाद उत्तरी 34.01, लखनऊ पश्चिम 31.01, लखनऊ पश्चिम 31, आगरा कैंट 30.47, लखनऊ मध्य 30.36, मेरठ कैंट 27.29, कानपुर कैंट 26.59, बरेली 25.68 फीसदी वोट कटे हैं। नोएडा जैसी सीट पर 23.85 प्रतिशत वोट कटे हैं। ये सभी भाजपा की प्रभाव वाली सीटें हैं। इनमें से अधिकतर सीटें वीआईपी हैं। सपा और कांग्रेस पहले से ही कोस रही है शहरी क्षेत्रों में मतदाता घटने से भारतीय जनता पार्टी थोड़ी चिंतित है, मगर मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन तक वोटरों की बढ़ी हुई संख्या को लेकर आशान्वित है। इसमें सरकार और संगठन दोनों ने अंतिम समय पर पूरी ताकत झोंकी।भाजपाई मानते हैं कि यह गलत है कि सिर्फ हिंदुओं के वोट ज्यादा कटे हैं। यदि ऐसा होता तो सपा और कांग्रेस एसआईआर को कोस न रहे होते। सपा कटे हुए वोटों को लेकर समीक्षा करेगी। अभियान चलाकर वैध मतदाताओं के नाम जुड़वाएगी। एसआईआर शुरू होने के साथ समाजवादी पार्टी ने चार लोगो की एक टीम बनाई। उसने बिहार एसआईआर का अध्ययन कर एक-एक खामियों पर ध्यान दिया। वोटर बनने और बने रहने के लिए सभी जरूरी मदद बूथवार की, वोट बचाने के साथ ही बनवाने में वह सफल रहे। सपा की यह टीम अब अंतिम मतदाता सूची का अध्ययन कर रही है। इसकी खामियों को देखा जा रहा है। इसके आधार पर गलत वोट कटने को ठीक कराने और छूटे लोगों का नाम शामिल कराने का होगा।

सियाराम गुप्ता मार्ग का हुआ लोकार्पण, लोगो ने जताया हर्ष

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। नगर क्षेत्र में विकास कार्यों की कड़ी में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सियाराम गुप्ता मार्ग का विधिवत लोकार्पण सुखसागर मिश्र 'मधुर' अध्यक्ष नगर पालिका परिषद हरदोई ने वार्ड संख्या-25 में फीता काटकर मार्ग इस मार्ग का उद्घाटन किया। इस मार्ग का प्रस्ताव समाजसेवी स्व० सियाराम गुप्ता के नाम से बोर्ड की मीटिंग में सभासद हफ़ीज़ अहमद मुन्ना नेता ने किया था शहर के धर्मशाला रोड स्तिथ फर्स्ट क्राई शोरूम के निकट चौराहे से रफ़ी अहमद कॉलेज तक स्वीकृत किया गया। स्व० सियाराम गुप्ता जनपद के प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी थे। वह आजीवन रोटरी क्लब के पदाधिकारी एवं ईंट भट्ठा यूनियन के अध्यक्ष रहते हुए सक्रिय राजनीति से जुड़े रहे। स्व० बाबू श्रीशचंद्र अग्रवाल तथा स्व० बाबू मोहनलाल वर्मा से उनके निकटस्थ परिवारिक संबंध रहे। उन्होंने बतौर कांट्रेक्टर जनपद की बड़ी सरकारी इमारतों जैसे जिला कैन सोसाइटी कार्यालय, सी०एस०एन० डिग्री कॉलेज, आई हॉस्पिटल, कई विद्यालयों आदि के निर्माण कार्यो को करवाया। सदैव जरूतमंदों की मदद करने में तत्पर रहे। धार्मिक कार्यो एवं आयोजनों को करने में विशेष रुचि रखते थे। उनके परिवारजन शहर के प्रमुख व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को उनके नाम से सफलतापूर्वक संचालित कर रहे है। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी रामेन्द्र सिंह, ओम प्रकाश गुप्ता, उमेश चंद्र गुप्ता, सभासद हफ़ीज़ अमहद मुन्ना नेता, नामित सभासद रीना गुप्ता, नोमान अहमद, एडवोकेट मो0 सलीम, हैदर अली, मोनू, मास फ़ारूक़ी, राम कुमार गुप्ता एडवोकेट, मो0 इस्तियाक, अतुल गुप्ता, कपिल गुप्ता, गौरव गुप्ता, सुयश वाजपेयी, गौतम गुप्ता, केशव गुप्ता आदि परिवार के लोग उपस्थित रहे।

नारी सुरक्षा का संदेश: मिशन शक्ति टीम ने चलाया जागरूकता अभियान

मिशन शक्ति टीम के साथ समाजसेविका शालिनी सिंह व अन्य महिलाएं — फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

साण्डी (हरदोई)। विकास खंड के बरनई गांव में कृष्णा कुमारी सेवा संस्थान की संचालिका शालिनी सिंह द्वारा रविवार को महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को लेकर मिशन शक्ति टीम द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया! इस दौरान टीम ने महिलाओं एवं बालिकाओं की चौपाल लगाकर उनके अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक किया! अभियान के तहत टीम सदस्यों ने बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाएं तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त करने के उपाय बताएं साथ ही महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 और 112 सहित अन्य जरूरी सेवाओं की जानकारी दी ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत मदद ले सके!

मिशन शक्ति की टीम के सदस्यों ने बताया कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए जागरूकता बेहद जरूरी है उन्होंने बालिकाओं को किसी भी प्रकार के उत्पीड़न छेड़छाड़ या हिंसा की घटना होने पर चुप न रहने की और तुरंत पुलिस को सूचित करने की सलाह दी! मिशन शक्ति टीम ने आगे भी ऐसे ही जागरूकता के कार्यक्रम चलाने का संकल्प लिया जिससे समाज में महिलाओं का सम्मान व सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके!

आयकर विभाग में कार्यालय अधीक्षक बने आवर्त सिंह के गाँव पहुंचने पर ग्रामीणों ने किया जोरदार स्वागत

गांव पहुंचने पर किया गया स्वागत — फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। विकास खंड के पलिया गांव में रविवार को उत्सव जैसा माहौल रहा। एसएससी-2025 परीक्षा में सफलता हासिल कर आयकर विभाग में कार्यालय अधीक्षक बने आवर्त सिंह के गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका ऐतिहासिक स्वागत किया। जैसे ही आवर्त गांव की सीमा पर पहुंचे, युवाओं ने बैंड बाजे और फूल-मालाओं के साथ उनका स्वागत किया। पूरे रास्ते उन पर पुष्प वर्षा की गई। एक साधारण किसान परिवार से निकलकर इस मुकाम तक पहुंचने वाले आवर्त को देखने के लिए हर घर के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। अपने लाल को अफसर के रूप में देख पिता भगवान सिंह और परिजनों की आंखें छलक आईं। ग्रामीणों ने आवर्त को मिठाई खिलाकर और साफा बांधकर सम्मानित किया।

बुजुर्गों ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि आवर्त ने यह सिद्ध कर दिया कि दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से अभावों के बीच भी सफलता का शिखर छुआ जा सकता है। स्वागत से अभिभूत आवर्त सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के संघर्ष को दिया। उन्होंने गांव के अन्य छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि संसाधनों की कमी कभी भी सपनों के आड़े नहीं आनी चाहिए। देर शाम तक गांव में बधाई देने वालों का तांता लगा रहा और हर कोई इस गौरवमयी पल का गवाह बना।

चिकित्सक को पत्नी शोक

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शहर के प्रमुख चिकित्सक डॉ0 विजय त्रिवेदी की पत्नी बबिता त्रिवेदी का मध्यरात्रि में हृदयाघात के कारण निधन हो गया, सुबह-सुबह इस सूचना के बाद रविवार सुबह से ही उनके आवास पर हरदोई के चिकित्सा जगत और व्यापार जगत के साथ विभिन्न संगठनों से जुड़े हुए व्यक्तियों का उनके अंतिम दर्शन हेतु आना जाना लगा रहा। उनके परिवार में एक बेटा और एक बेटी है। राष्ट्रीय प्रस्तावना परिवार दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करता है और शोक संत्रिप्ट परिवार के साथ है।

नहर में नहाने गए पुलिसकर्मी की डूबने से मौत, शव की तलाश जारी

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। टड़ियावां थाना क्षेत्र में रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। पुलिसकर्मी कुछ स्थानीय लोगों के साथ नहर में नहाने गए थे, इसी दौरान एक पुलिसकर्मी कथित रूप से गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि ट्रेनिंग पर चल रहे पुलिसकर्मी गौरव उर्फ़ राजन टड़ियावां क्षेत्र में रसूलापुर के सामने नहर में नहाने पहुंचे थे। उनके डूबने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंच गई। गोताखोरों और पुलिसकर्मियों की मदद से शव की तलाश की जा रही है।

योगाभ्यास कराया

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। गांधी भवन हरदोई में प्रात:काल 7.30 से 9.30 वजे पतंजलि योग समिति हरदोई उ०प्र० के जिला प्रभारी हरिबंश सिंह द्वारा चलाए जा रहे नि:शुल्क पतंजलि योग शिविर के 30वें दिवस पर हरिबंश सिंह ने योगाभ्यास कराया जिसमें साथ सहयोग योग शिक्षिका रिन्की गुप्ता ने दिया और योगाभ्यास सिटी मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी के साथ शशिकला सिंहए कंचन पाण्डेय, मनू गुप्ता, उदय अग्रवाल, अनुराग पाण्डेय, अनिल कुमार गुप्ता ने मन लगाकर किया। अब यह शिविर सिटी मजिस्ट्रेट श्री सुनील कुमार त्रिवेदी जी के सहयोग से नियमित योग कक्षा के रूप में चलती रहेगी। जो भी लोग स्वास्थ्य लाभ लेना चाहते हैं वह उक्त समय पर गांधी भवन के

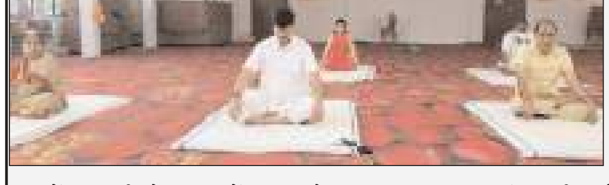

हाल में चल रही योग कक्षा में आकर योगाभ्यास कर लाभ उठाएं। सभी भाई बहनों ससम्मान स्वागत है।

दुकानों में घुसकर लूटपाट करने और दहशत फैलाने वाले चार गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। कोतवाली पुलिस ने पांच अप्रैल को दिनदहाड़े हाईवे पर दहशत फैला कर दुकानों में लूटपाट करने और दुकानदारों का सामान सड़क पर फेंकने के आरोप में चार दहशतगर्तों को गिरफ्तार किया गया है। जिन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया और जेल भेज दिया गया। शाहाबाद कोतवाली में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार धर्मेंद्र गुप्ता पुत्र श्यामसुंदर गुप्ता निवासी मोहल्ला बुध बाजार के अनुसार 5 अप्रैल को मोहल्ला वाजिद खेल निवासी जाहिर एवं हारिश पुत्र गण कासिम रजा ने अपने पांच दर्जन साथियों के साथ दहशत फैलाते हुए दुकानों में लूटपाट की और दुकानों का सामान निकाल कर सड़क पर फेंक दिया। इस दौरान उपरोक्त लोग आवश्यक दस्तावेज और नकदी लूटकर फ़रार हो गए। कोतवाली पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी। इस घटना में प्रकाश में आए दारुल खान पुत्र वाहिद खान निवासी खेड़ा गंजहा, अमन पुत्र ओंकार निवासी खेड़ा बीबीजयी, इरशाद पुत्र इसनाद निवासी गिलजई तथा सुमित उर्फवैचा पुत्र तिल्ला निवासी काशीराम कॉलोनी को गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय ने बताया चारों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आज एक भव्य पथ संचलन के आयोजन के कार्यक्रम का शुभारंभ बाल विद्या भवन नघेटा रोड, हरदोई से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में अनुशासित रूप से सहभागिता की। इस अवसर पर उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए क्षेत्र संघचालक कृष्णमोहन ने कहा कि यह वर्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना का शताब्दी वर्ष है। इस अवसर पर देशभर में हिंदू चेतना जागरण हेतु विभिन्न हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए, जिनमें आमजन एवं संत समाज के मध्य सार्थक संवाद स्थापित हुआ।

उन्होंने आगे कहा कि यह वर्ष संत रविदास जी की 650वीं जयंती का भी वर्ष है। संत रविदास की शिक्षाएं समाज को एकजुट रखने एवं जातिगत भेदभाव समाप्त करने में मार्गदर्शक सिद्ध हो सकती हैं। अन्य संकल्पों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि कुटुंब प्रबोधन के अंतर्गत परिवारों में आपसी प्रेम एवं संयुक्त परिवार व्यवस्था को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। पर्यावरण एवं जल संरक्षण के अंतर्गत वृक्षारोपण, जल संचयन तथा प्लास्टिक कचरे के उचित निस्तारण पर बल दिया गया। नागरिक अनुशासन के अंतर्गत स्वयं अनुशासित रहकर समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया। वहीं 'स्व' की भावना के अंतर्गत स्वदेश एवं स्वदेशी के प्रति आग्रह को प्रोत्साहित किया जा रहा है। पथ संचलन नगर के प्रमुख मार्गों से अनुशासनबद्ध ढंग से निकाला गया। यह संचलन बाल विद्या भवन से प्रारंभ होकर सिनेमा चौराहा, बड़ा चौराहा, अटल चौराहा एवं सोल्जर बोर्ड चौराहा से होते हुए पुन: बाल विद्या भवन पर सम्पन्न हुआ। संचलन को देखने के लिए मार्ग के विभिन्न स्थानों पर नागरिकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। अनेक स्थानों पर नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया। स्वयंसेवकों के सुसंगठित एवं अनुशासित प्रदर्शन ने समाज में एकता, सेवा एवं राष्ट्रभक्ति का प्रभावशाली संदेश दिया।

पथ संचलन कार्यक्रम में सह जिला संघ चालक तेजेंद्र, नगर संघ चालक मिथिलेश, विभाग संघ चालक शिवस्वरूप जिला प्रचारक अनिल, नगर कार्यवाह विनय पांडेय, सह नगर कार्यवाह राजवर्धन सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सकल जीव नारायण मानी सेवा करन हेतु हम ठानी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। नारायण सेवा समूह द्वारा मौनी बाबा मंदिर पर भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर नारायण सेवा समूह के सदस्यों ने पूड़ी सब्जी का प्रसाद वितरित किया राम आसरे रस्तोगी व प्रियम मिश्रा ने बताया नारायण सेवा समूह निरंतर एक भंडारा और एक वस्त्र वितरण का कार्यक्रम कर रहा है। जो बिना किसी सरकारी मदद क़े अपने सभी साथियो क़े सहयोग से ये कार्यक्रम कर रहे है शीत लहर क़े दौरान कंबल स्वेटर आदि वितरण भी संस्था करेंगी।

इस मौके नीतू सिंह वंशीता, कनिका विनोद अग्रवाल सुमेर सिंह ब्रजपाल सिंह राजीव मोहन ब्रह्म दयाल बाजपेई संजय मिश्रा जय शंकर मिश्रा मनमोहन सिंह नितिन मिश्रा राम स्नेही द्विवेदी मिथलेश मिश्रा चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी रामशंकर शुक्ला अरुण सिंह नरेश कुमार अभिनव सिंह निरुपम त्रिपाठी राजीव दीक्षित जुगुल किशोर गुप्ता तारकनाथ शर्मा रमेश गुप्ता संदीप अग्रवाल शम्भू दयाल आदि लोग मौजूद रहे।

थाना पचदेवरा क्षेत्र के गांव में मिशन शक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। थाना पचदेवरा क्षेत्र के ग्राम पत्यौरा में आज मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

बैठक में उपस्थित महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण टोल फ्री नंबरों जैसे 1090, 1098, 112, 1930, 1076 और 1081 के बारे में जागरूक किया गया। साथ हीए उन्हें 'गुड टच' और 'बैड टच' के विषय में भी समझाया गया, ताकि वे अपनी सुरक्षा को लेकर सतर्क रह सकें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें। इस जागरूकता कार्यक्रम में उ0नि0 विकास अवस्थी, कांस्टेबल राकेश, कांस्टेबल रजत तथा महिला आरक्षी मीनू बाला राघव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम ने सभी को जागरूक रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की।

कार्यालय आदर्श विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज, भाभर, विकास खण्ड-भरखनी, जनपद हरदोई

पत्रांकःटेण्डर नोटिस/ 2025-26 — दिनाँक-12.04.2026

अल्पकालीन निविदा आमत्रंण

विकास खण्ड-भरखनीअन्तर्गत कार्यालय आदर्श विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज, भाभर, विकास खण्ड-भरखनी, जनपद-हरदोई में श्री माधवेन्द्र प्रताप सिंह जी, मा0 विधायक विधान सभा क्षेत्र सवायजपुर, की विधायक निधि द्वारा द्वारा कराये जाने वाले निर्माण कार्य के लिए सामग्री आपूर्ति हेतु फर्म / सप्लायरों से मोहरबंद निविदाएं दिनाँक-20.04.2026 को समय अपरान्ह् 03:00 बजे तक निविदा बाक्स में डाली जाएगी, जो उसी दिन अपरान्ह् 04:00 बजे प्रबन्धक कार्यालय में गठित निविदा समिति के समक्ष निविदादाताओं की उपस्थिति में खोली जाएगी। कार्यालय निविदा प्रपत्र दिनाँक-13.04.2026 से 20.04.2026 तक प्रत्येक कार्य दिवस में निर्धारित शुल्क अदा कर प्राप्त किए जा सकते हैं।

कार्य का विवरण निम्नप्रकार है-

विकास खण्ड	संस्तुत कार्य का नाम	आगणन के अनुसार		प्रथम किश्त में अवमुक्त धन0	कार्य हेतु निर्धारित अवधि
		भौतिक मात्रा	लागत		
1	2	3	4	5	6
भरखनी	आदर्श विद्या मन्दिर कॉलेज भाभर में दो शिक्षण कक्षों का निर्माण कार्य।	02 नं0 शिक्षण कक्ष (7.600मी0x6.00मी0)	8.35	5.01	03 माह

निविदा की शर्तें निम्नवत् है- 01. निविदा में निर्माण कार्य की दो प्रतिशत में उल्लेख करना अनिवार्य है एवं पैसे में प्रस्तुत निविदा मान्य न होगी। 02. निविदादाताओं को प्रपत्र के साथ 100 रू0 का स्टाम्प एवं एक रूपए का रसीदी टिकट पर हस्ताक्षर कर संलग्न करना अनिवार्य होगा। 03. निविदादाता आयकर देने वाला हो तथा वाणिज्य कर कार्यालय में पंजीकृत हो जिस पर जी0एस0टी0 नम्बर अंकित हो, की प्रमाणित पैन नम्बर एवं जी0एस0टी0 नम्बर की छायाप्रति संलग्न की जाये। 04. निविदादाता की निविदा स्वीकृत होने पर नियमानुसार टैक्स की अनुमन्य कटौती की जायेगी। 05. निविदा के साथ कॉलम 5 में अंकित जमानत धनराशि सम्बन्धित कार्यों के अनुसार अवश्य संलग्न होनी चाहिए। धरोहर धनराशि राष्ट्रीय बैंक से निर्गत फिक्स्ड डिपाजिट रसीद, एन0एस0सी0 पोस्ट ऑफिस पासबुक जो कि सम्बन्धित प्रबन्धक के पक्ष में पदनाम से 01 वर्ष की अवधि तक बन्धक हो, निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है, अन्यथा की स्थिति में निविदा निरस्त कर दी जायेगी। जिसके सम्बन्ध में आपका कोई भी दावा मान्य न होगा। 06.फर्म/सप्लायर कार्य स्थल का भलीभांति परीक्षण कर लें निविदा स्वीकृति के पश्चात् कार्यस्थल पर निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण व आपूर्ति करना अनिवार्य होगा, जिसके सम्बन्ध में कोई भी दावा मान्य न होगा। 07. कार्य स्थल पर किसी भी प्रकार का विवाद उत्पन्न होने की स्थिति में विवाद निपटारा होने तक निर्माण कार्य का कोई भी भुगतान नहीं किया जायेगा और न ही भुगतान सम्बन्धी कोई दावा आपत्ति मान्य होगा। 08. ऐसे निविदादाता जो कि राज्य बार काउंसिलिंग में पंजीकृत है, को टेण्डर प्रक्रिया में भागीदारी की अनुमति नहीं है। 9. एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। 10. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

प्रबन्धक
आदर्श विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज, भाभर
विकास खण्ड-भरखनी, जनपद-हरदोई

हार-जीत नहीं है संघर्ष विराम

खुद को विश्व शांति और स्थिरता का ठेकेदार समझने वालों को संघर्षविराम की जरूरत समझने में 40 दिन लग गए। इस अवधि में दिखाई पड़े तबाही के मंजरों के मद्देनजर कोई भी समझदार व्यक्ति संघर्ष विराम का स्वागत ही करेगा लेकिन फिर भी यह सवाल अनुत्तरित है कि आखिर इस युद्ध से हासिल क्या हुआ? 15 दिनों के लिए घोषित संघर्ष विराम के बीच अमरीका और ईरान के प्रतिनिधि पाकिस्तान में उन शर्तों पर बातचीत करेंगे, जिन पर सहमति के बाद इस युद्ध का अंत हो जाएगा। पहले भी 26 फरवरी को जेनेवा में हुई बातचीत में कई मुद्दों पर सहमति बन गई थी लेकिन वार्ता के अगले दौर से पहले ही ईरान पर हमले शुरू हो गए। जाहिर है, ईरान की ओर से भी जवाबी हमले होने ही थे। परिणामस्वरूप न सिर्फ ये 3 देश, बल्कि खाड़ी के सभी देश जंग के बीच तबाही झेलते रहे, जिसकी मार ऊर्जा संकट और महंगाई के रूप में शेष विश्व को भी झेलनी पड़ी। समझना मुश्किल नहीं होना चाहिए कि अगर संबंधित पक्षों ने पहले ही संघर्ष की बजाय संवाद के जरिए समाधान खोजा होता तो इस तबाही से बचा जा सकता था। युद्ध के बीच अपनी-अपनी जीत के दावे करते हुए भी ईरान और अमरीका का अचानक संघर्ष विराम पर सहमत हो जाना बताता है कि जमीनी हकीकत क्या रही होगी। अपने दूसरे राष्ट्रपति काल के पहले ही साल में 8 संघर्षविराम करवाने का दावा करते हुए शांति का नोबेल मांगने वाले अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इन 40 दिनों में 'बर्बादी के बादशाह' ज्यादा नजर आए। सत्ता परिवर्तन के घोषित उद्देश्य के साथ किसी दूसरे देश पर हमले कम-से-कम लोकतांत्रिक सोच तो नहीं मानी जा सकती लेकिन विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र माने जाने वाले अमरीका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने ऐसा कर दिखाया। तर्क दिया जा सकता है कि जो व्यक्ति सेना भेज कर वेनेजुएला से उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सपत्नीक उठवा चुका हो, उसके लोकतांत्रिक होने की गलतफहमी नहीं पालनी चाहिए। तर्क निराधार नहीं है, पर सच यह भी है कि अगर वेनेजुएला प्रकरण में अन्य देशों ने अपनी वैश्विक जिम्मेदारी का अहसास करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया की होती तो शायद पश्चिम एशिया को 40 दिन की यह युद्ध विभीषिका नहीं झेलनी पड़ती, जिसकी तपिश दूरदराज के देशों ने भी महसूस की। दरअसल दूसरे राष्ट्रपति काल की शुरुआत से ही ट्रम्प प्रवासियों और टैरिफ जैसे मुद्दों पर वैश्विक व्यवस्था को ही चुनौती देते नजर आ रहे हैं लेकिन ज्यादातर देश अपने-अपने हितों से संचालित होकर खेलते रहे। लंबे खिंचते युद्ध से तबाही और उसकी तपिश महसूस कर इस बार अमरीका के उन परंपरागत मित्र देशों ने भी उसका साथ देने से इंकार कर दिया, जिन्हें ट्रम्प अपने साथ ही मान कर चलते रहे। अमरीका के साम्राज्यवादी और भोगवादी चरित्र के बावजूद वहां के नागरिकों ने भी सड़कों पर उतर कर ट्रम्प के इस युद्धोन्माद का विरोध करने का साहस दिखाया। इसी साल होने वाले मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर विरोधी डैमोक्रेट्स को कारगर मुद्दा मिल गया, तो रिपब्लिकन्स भी अपने राष्ट्रपति की हरकतों के राजनीतिक खतरे महसूस करने लगे। कहना नहीं होगा कि इन चौतरफा दबावों के बीच संघर्ष की राह तलाशते हुए भी ट्रम्प अपने अहंकारी कारोबारी चरित्र से बाज नहीं आए। सप्ताहांत में युद्ध समाप्ति की भविष्यवाणी से बाजार में गिरावट तथा फिर सप्ताह के शुरू में युद्धोन्माद और भड़का कर ट्रम्प द्वारा अपने करीबियों को शेयर बाजार से मुनाफा कमाने के किस्से अमरीकी मीडिया में आम हैं। कभी ट्रम्प स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने से अमरीका को बेपरवाह बता कर अन्य देशों पर उसे खुलवाने के लिए दबाव बनाते दिखे, तो कभी 48 घंटे में उसे न खोलने पर ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की धमकी देते। कभी चार दिन का अल्टीमेटम देकर उसे 10 दिन तक बढ़ा दिया, तो फिर ईरानी सभ्यता की ही समाप्ति के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दे दिया। जाहिर है, किसी जिम्मेदार लोकतांत्रिक देश के राष्ट्रपति से ऐसा आचरण अपेक्षित नहीं लेकिन यही हमारे समय का सच है। अनेक बार हमले के लक्ष्य हासिल कर लेने और ईरान का सैन्य ही नहीं, शासकीय ढांचा भी नष्ट करने के दावे करने वाले ट्रम्प अगर अब 40 दिनों बाद 15 दिनों के संघर्ष विराम पर सहमत हो गए तो उसकी सफलता को ले कर आश्वस्त होना आसान नहीं।

15 दिनों के लिए घोषित संघर्ष विराम के बीच अमरीका और ईरान के प्रतिनिधि पाकिस्तान में उन शर्तों पर बातचीत करेंगे, जिन पर सहमति के बाद इस युद्ध का अंत हो जाएगा। पहले भी 26 फरवरी को जेनेवा में हुई बातचीत में कई मुद्दों पर सहमति बन गई थी लेकिन वार्ता के अगले दौर से पहले ही ईरान पर हमले शुरू हो गए। जाहिर है, ईरान की ओर से भी जवाबी हमले होने ही थे। परिणामस्वरूप न सिर्फ ये 3 देश, बल्कि खाड़ी के सभी देश जंग के बीच तबाही झेलते रहे, जिसकी मार ऊर्ज़ा संकट और महंगाई के रूप में शेष विश्व को भी झेलनी पड़ी। समझना मुश्किल नहीं होना चाहिए कि अगर संबंधित पक्षों ने पहले ही संघर्ष की बजाय संवाद के जरिए समाधान खोजा होता तो इस तबाही से बचा जा सकता था।

भविष्य का अमृत ईंधन है 'थोरियम'

डॉ. नुपूर निखिल देशकर

तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित परमाणु ऊर्ज़ा केंद्र से हाल ही में प्राप्त एक महत्वपूर्ण उपलब्धि ने भारत की ऊर्ज़ा यात्रा को नई दिशा दी है। वैज्ञानिकों ने परमाणु अभिक्रिया की संतुलित अवस्था, जिसे 'क्रिटिकैलिटी' कहा जाता है, सफलतापूर्वक प्राप्त कर ली है। यह उपलब्धि एक वैज्ञानिक प्रयोग की सफलता के साथ भारत के ऊर्ज़ा आत्मनिर्भरता के सपने की ओर एक ठोस कदम है। इस परिप्रेक्ष्य में थोरियम एक ऐसे ल्भविष्य के अमृत ईंधनङ्क के रूप में उभर रहा है, जिसे लेकर अब उम्मीद है कि आने वाले समय में ऊर्ज़ा क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी। थोरियम की सबसे बड़ी विशेषता उसका अत्यधिक ऊर्ज़ा घनत्व है। सामान्यतः यह माना जाता है कि एक टन थोरियम से उतनी ऊर्ज़ा प्राप्त की जा सकती है जितनी लगभग 35 लाख टन कोयले से मिलती है। यह तुलना न केवल थोरियम की क्षमता को दर्शाती है, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि यदि इसका प्रभावी उपयोग किया जाए तो ऊर्ज़ा संकट का स्थायी समाधान संभव है। भारत की भौगोलिक संरचना इसे थोरियम के मामले में विशेष रूप से समृद्ध बनाती है। विश्व के सबसे बड़े थोरियम भंडारों में भारत का महत्वपूर्ण स्थान है। केरल के अलप्पुझा और कोल्लम तट, तमिलनाडु के कन्याकुमारी और मनावलकुरिची, ओडिशा के चांदीपुर तट तथा आंध्र प्रदेश के कुछ तटीय क्षेत्रों में मोनाज़ाइट रेत के रूप में थोरियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह संसाधन भारत को ऊर्ज़ा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर ही नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व की स्थिति में भी ला सकता है। अनुमान है कि यह भंडार हजारों वर्षों तक देश की ऊर्ज़ा आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है। थोरियम की इस अपार संभावना को भारत ने बहुत पहले पहचान लिया था। वर्ष 1950 में महान वैज्ञानिक डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने इस दिशा में दूरदर्शिता दिखाई। उन्होंने यह समझ लिया था कि भारत में यूरेनियम की सीमित उपलब्धता के कारण थोरियम ही भविष्य का विकल्प बन सकता है। हालांकि, थोरियम का सीधा उपयोग संभव नहीं है; इसे पहले यूरेनियम-233 में परिवर्तित करना पड़ता है, जो एक जटिल और महंगी प्रक्रिया है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए डॉ. भाभा ने भारत के लिए त्रि-स्तरीय परमाणु ऊर्ज़ा कार्यक्रम की परिकल्पना की। इस कार्यक्रम के पहले चरण में प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग कर ऊर्ज़ा उत्पादन के साथ-साथ प्लूटोनियम तैयार किया जाता है। दूसरे चरण में इस प्लूटोनियम की सहायता से थोरियम को यूरेनियम-233 में परिवर्तित किया जाता है। तीसरे और अंतिम चरण में इस परिवर्तित ईंधन का उपयोग कर बड़े पैमाने पर ऊर्ज़ा उत्पादन किया जाता है। यह एक दीर्घकालिक और वैज्ञानिक रूप से जटिल योजना थी, लेकिन इसकी सफलता भारत को ऊर्ज़ा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकती है। थोरियम का उपयोग केवल ऊर्ज़ा उत्पादन तक सीमित नहीं है। यह एक रेडियोधर्मी धातु है जिसका उपयोग रेडियोमेट्रिक डेटिंग में किया जाता है, जिससे चट्टानों और जीवाश्मों की आयु का निर्धारण संभव होता है। इसके अलावा, मैग्नीशियम के साथ मिश्रधातु के रूप में इसका उपयोग उच्च ताप सहनशील और मजबूत सामग्री बनाने में होता है, जो विमानन और उन्नत तकनीकी क्षेत्रों में अत्यंत उपयोगी है। हालांकि, इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को अपने प्रारंभिक वर्षों में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। प्रशासनिक उदासीनता, संसाधनों की कमी और 1974 के पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों ने इसकी गति को धीमा कर दिया। इसके अतिरिक्त, तकनीकी चुनौतियों और वैश्विक सहयोग की कमी के कारण भी यह कार्यक्रम अपेक्षित प्रगति नहीं कर सका। इक्कीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में एक और गंभीर समस्या सामने आई थोरियम की तस्करी और अवैध खनन। 2004 के बाद से समुद्री तटीय क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर मोनाज़ाइट रेत के गायब होने की घटनाएं सामने आईं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, लाखों टन सामग्री अवैध रूप से विदेशों, विशेषकर चीन, को भेजी गई। यदि ये आरोप सत्य हैं, तो यह न केवल आर्थिक नुकसान है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। वर्तमान समय में भारत सरकार ने इस दिशा में नए सिरे से प्रयास शुरू किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में थोरियम आधारित ऊर्ज़ा कार्यक्रम को प्राथमिकता दी जा रही है। डॉ. भाभा का जो सपना दशकों पहले अधूरा रह गया था, वह अब साकार होता दिखाई दे रहा है। भारत के पास विश्व के लगभग 25 फीसद थोरियम भंडार हैं, जो इसे इस क्षेत्र में एक वैश्विक शक्ति बना सकते हैं। सरकार ने स्वदेशी तकनीकों के विकास पर जोर देते हुए छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर और उन्नत भारी जल रिएक्टर जैसी परियोजनाओं को बढ़ावा दिया है। इन रिएक्टरों का उद्देश्य थोरियम के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करना है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय सहयोग, नीतिगत सुधार और निवेश में वृद्धि ने इस क्षेत्र को नई ऊर्ज़ा प्रदान की है। आज जब पूरी दुनिया ऊर्ज़ा संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब थोरियम एक स्वच्छ, सुरक्षित और दीर्घकालिक विकल्प के रूप में सामने आया है। थोरियम आधारित ऊर्ज़ा उत्पादन में रेडियोधर्मी कचरा अपेक्षाकृत कम होता है और इसकी सुरक्षा भी अधिक होती है। यही कारण है कि इसे भविष्य का ल्गेम-चेंजरङ्क ईंधन कहा जा रहा है। अतः यह कहा जा सकता है कि थोरियम न केवल भारत की ऊर्ज़ा आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है, बल्कि यह देश को वैश्विक ऊर्ज़ा मानचित्र पर एक अग्रणी स्थान भी दिला सकता है। आवश्यकता है तो केवल दूरदर्शिता, पारदर्शिता और सतत प्रयासों की। यदि भारत अपने इस प्राकृतिक संसाधन का सही दिशा में उपयोग करता है, तो वह न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि विश्व को भी स्वच्छ और सतत ऊर्ज़ा का मार्ग दिखा सकेगा।

थोरियम की सबसे बड़ी विशेषता उसका अत्यधिक ऊर्ज़ा घनत्व है। सामान्यतः यह माना जाता है कि एक टन थोरियम से उतनी ऊर्ज़ा प्राप्त की जा सकती है जितनी लगभग 35 लाख टन कोयले से मिलती है। यह तुलना न केवल थोरियम की क्षमता को दर्शाती है, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि यदि इसका प्रभावी उपयोग किया जाए तो ऊर्ज़ा संकट का स्थायी समाधान संभव है। भारत की भौगोलिक संरचना इसे थोरियम के मामले में विशेष रूप से समृद्ध बनाती है। विश्व के सबसे बड़े थोरियम भंडारों में भारत का महत्वपूर्ण स्थान है। केरल के अलप्पुझा और कोल्लम तट, तमिलनाडु के कन्याकुमारी और मनावलकुरिची, ओडिशा के चांदीपुर तट तथा आंध्र प्रदेश के कुछ तटीय क्षेत्रों में मोनाज़ाइट रेत के रूप में थोरियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह संसाधन भारत को ऊर्ज़ा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर ही नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व की स्थिति में भी ला सकता है। अनुमान है कि यह भंडार हजारों वर्षों तक देश की ऊर्ज़ा आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है। थोरियम की इस अपार संभावना को भारत ने बहुत पहले पहचान लिया था। वर्ष 1950 में महान वैज्ञानिक डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने इस दिशा में दूरदर्शिता दिखाई। उन्होंने यह समझ लिया था कि भारत में यूरेनियम की सीमित उपलब्धता के कारण थोरियम ही भविष्य का विकल्प बन सकता है।

भाव की भक्ति या दिखावे का दौरः आज भी क्यों प्रासंगिक हैं महाप्रभु वल्लभाचार्य

पवन वर्मा

महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के शुद्धाद्वैत और पुष्टिमार्ग के सिद्धांत, जो अनुभाष्य और सुबोधिनी जैसे ग्रंथों में मिलते हैं, उसका भाव यही है कि ''भक्ति में आडंबर नहीं, भाव होना चाहिए वल्लभाचार्य जी की यह विचारधारा , आज भी उनकी जयंती पर पहले से कहीं ज्यादा प्रासंगिक हो चुकी है। जब समाज दिखावे, प्रतिस्पर्धा और बाहरी सफलता के दबाव में उलझा हुआ है, तब वल्लभाचार्य जी का यह संदेश सीधे सवाल खड़ा करता है कि क्या हम सच में भीतर से संतुष्ट हैं, या सिर्फ बाहर से सफल दिखने की कोशिश कर रहे हैं? वल्लभाचार्य ने भक्ति को कर्मकांडो और जटिल विधियों से मुक्त कर एक ऐसे मार्ग की स्थापना की, जिसमें ईश्वर तक पहुंचने के लिए किसी विशेष वर्ग, जाति या संसाधन की आवश्यकता नहीं थी। उनका पुष्टिमार्ग इसी सोच का विस्तार है, जहां भगवान को पाने का रास्ता प्रेम, सेवा और समर्पण से होकर जाता है। यह विचार आज इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आधुनिक समाज में आध्यात्मिकता भी धीरे-धीरे एक 'प्रदर्शन' का माध्यम बनती जा रही है। भव्य आयोजन, महंगे अनुष्ठान और सोशल मीडिया पर दिखावा। ऐसे समय में वल्लभाचार्य जी का यह आग्रह कि ईश्वर को पाने के लिए मन की सच्चाई जरूरी है, साधनों की भव्यता नहीं, हमें आत्ममंथन के लिए मजबूर करता है। यह सोच केवल धार्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में लागू होती है। आज रिश्तों में भी हम अक्सर दिखावे और औपचारिकता में उलझ जाते हैं, जबकि असली जरूरत सच्चे भाव और विश्वास की होती है। वल्लभाचार्य जी का जीवन भी इसी सिद्धांत का प्रमाण है। उन्होंने पूरे भारत में भ्रमण कर लोगों को सरल भाषा में भक्ति का अर्थ समझाया। उन्होंने यह नहीं कहा कि भगवान को पाने के लिए जंगलों में जाना होगा या कठिन तपस्या करनी होगी, बल्कि उन्होंने गृहस्थ जीवन को ही भक्ति का केंद्र बना दिया। यह एक क्रांतिकारी विचार था, जिसने आम लोगों के लिए आध्यात्मिकता के दरवाजे खोल दिए। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर यह सोचते हैं कि आध्यात्मिकता के लिए अलग से समय निकालना होगा, जबकि वल्लभाचार्य जी का संदेश साफ है कि जीवन के हर छोटे-छोटे काम में भी ईश्वर का स्मरण और सेवा की भावना हो सकती है। यानी, काम करते हुए, परिवार के साथ रहते हुए, समाज में योगदान देते हुए भी हम आध्यात्मिक रूप से समृद्ध हो सकते हैं। वल्लभाचार्य जी ने 'सेवा' को भक्ति का केंद्र बनाया। श्रीकृष्ण को बालक रूप में मानकर उनकी सेवा करना केवल धार्मिक क्रिया नहीं,यह तो भगवान से मनुष्य का भावनात्मक जुड़ाव है। आज जब परिवारों में दूरी बढ़ रही है और रिश्ते औपचारिक होते जा रहे हैं, तब यह संदेश बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। वल्लभाचार्य जयंती केवल उनके जन्म का उत्सव नहीं है, बल्कि उनके विचारों को समझने और उन्हें जीवन में उतारने का अवसर भी है। खासकर युवाओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण संदेश है कि सफलता केवल आर्थिक या सामाजिक उपलब्धियों से नहीं मापी जा सकती। जीवन में सच्ची एवं वास्तविक सफलता के लिए आंतरिक संतोष और मानसिक शांति भी उतनी ही जरूरी है। आज की दुनिया में जहां मानसिक तनाव,अकेलापन और असंतोष बढ़ रहा है, वल्लभाचार्य की शिक्षाएं एक संतुलित जीवन की दिशा दिखाती हैं। उनका 'पुष्टि' का सिद्धांत, यानी ईश्वर की कृपा, हमें सिखाता है कि सब कुछ हमारे नियंत्रण में नहीं होता, और कभी-कभी जीवन को स्वीकार करना और उसमें संतोष ढूंढना भी जरूरी होता है। धार्मिक आयोजनों के संदर्भ में भी वल्लभाचार्य का दृष्टिकोण आज के समय को आईना दिखाता है। जहां एक ओर भक्ति बड़े-बड़े आयोजनों और खर्चीले कार्यक्रमों में सिमटती जा रही है, वहीं उनका संदेश हमें सादगी और सच्चाई की ओर लौटने का आह्वान करता है। यह सोच न केवल आध्यात्मिक रूप से, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से भी संतुलन लाने में मदद कर सकती है। श्री वल्लभाचार्य ने अनेक भाष्यों, ग्रंथों, नामावलियों, एवं स्तोत्रों की रचना की है, जिनमें सोलह प्रमुख ग्रंथ हैं, जिन्हें 'षोडश ग्रन्थ' के नाम से जाना जाता है। ये यमुनाष्टक, बालबोध, सिद्धान्त मुक्तावली, पुष्टिप्रवाहमर्यादाभेद, सिद्धान्तरहस्य, नवरत्नस्तोत्र, अन्तःकरणप्रबोध, विवेकधैर्याश्रय, श्रीकृष्णाश्रय, चतुःश्लोकी, भक्तिवर्द्धिनी, जलभेद, पंचपद्यानि, संन्यासनिर्णय, निरोधलक्षण और सेवाफल हैं। शुद्धाद्वैत का प्रतिपादक प्रधान दार्शनिक ग्रन्थ है - अणुभाष्य (ब्रह्मसूत्र भाष्य अथवा उत्तरमीमांसा)। इनके अतिरिक्त वल्लभाचार्य जी द्वारा प्रणीत कई अन्य ग्रन्थ, जैसे - 'तत्वार्थदीपनिबन्ध', 'पुरुषोत्तम सहस्रनाम', 'पत्रावलम्बन', 'पंचश्लोकी', पूर्वमीमांसाभाष्य, भागवत पर सुबोधिनी टीका आदि भी प्रसिद्ध हैं। 'मधुराष्टक' स्तोत्र में महाप्रभु ने भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप, गुण, चरित्र, लीला आदि के माधुर्य को अत्यंत मधुर शब्दों और भावों से निरूपित किया है। उपरोक्त मुख्य साहित्य के अलावा, उन्होंने पत्रावलम्बन, मधुराष्टकम, गायत्रीभाष्य, पुरूषोत्तम सहस्त्रनाम आदि जैसे अतिरिक्त कार्यों की भी रचना की। उन्होंने संस्कृत ग्रंथों, ब्रह्म-सूत्र (अणुभाष्य), और श्रीमद्भागवतम् (श्री सुबोधिनी जी, तत्त्वार्थ दीप निबन्ध) पर विस्तृत टिप्पणियाँ लिखीं। वल्लभाचार्य जी के संदेश हमें केवल अतीत की याद दिलाने के लिए नहीं, बल्कि वर्तमान को सुधारने के लिए भी प्रेरित करते हैं। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि क्या हम अपने जीवन में सच्चाई, प्रेम और सेवा को उतनी ही प्राथमिकता दे रहे हैं, जितनी बाहरी उपलब्धियों को देते हैं। महाप्रभु वल्लभाचार्य का यही सबसे बड़ा योगदान है कि उन्होंने भक्ति को जीवन से जोड़ा, उसे सहज बनाया और हर व्यक्ति के लिए सुलभ किया। आज, जब हम उनकी जयंती मना रहे हैं, तो यह केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक अवसर है,अपने भीतर झांकने का, अपने जीवन को सरल बनाने का और सच्चे अर्थों में 'भक्ति' को समझने का।

वल्लभाचार्य ने भक्ति को कर्मकांडों और जटिल विधियों से मुक्त कर एक ऐसे मार्ग की स्थापना की, जिसमें ईश्वर तक पहुंचने के लिए किसी विशेष वर्ग, जाति या संसाधन की आवश्यकता नहीं थी। उनका पुष्टिमार्ग इसी सोच का विस्तार है, जहां भगवान को पाने का रास्ता प्रेम, सेवा और समर्पण से होकर जाता है। यह विचार आज इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आधुनिक समाज में आध्यात्मिकता भी धीरे-धीरे एक 'प्रदर्शन' का माध्यम बनती जा रही है। भव्य आयोजन, महंगे अनुष्ठान और सोशल मीडिया पर दिखावा। ऐसे समय में वल्लभाचार्य जी का यह आग्रह कि ईश्वर को पाने के लिए मन की सच्चाई जरूरी है, साधनों की भव्यता नहीं, हमें आत्ममंथन के लिए मजबूर करता है। यह सोच केवल धार्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में लागू होती है।

हिंदी यात्रा साहित्य के जनक महापंडित राहुल सांकृत्यायन

कुमार कृष्णन

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...एक ऐसा व्यक्तित्व जिन्होंने 20वीं सदी में भारतीय ज्ञान परंपरा को विश्व पटल पर पुनर्जीवित किया। महापंडित राहुल सांकृत्यायन (1896-1963) न केवल एक अथक यात्री थे, बल्कि एक विपुल लेखक भी थे जिन्होने 13 साल की उम्र में पहली बार घर छोड़कर अपनी यात्रा शुरु की। उन्होंने यात्रा वृतांत को 'साहित्यिक रूप' दिया इसलिए राहुल सांकृत्यायन को हिंदी यात्रा साहित्य का जनक कहा जाता है। उन्होंने अपने जीवन के 45 वर्ष अपने घर से दूर अन्वेषण में बिताए। अपने जीवन के विभिन्न चरणों में राहुल सांकृत्यायन एक वैष्णव मठ के महंत, किसान आंदोलन कारी, बौद्ध भिक्षु, स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी थे। हालांकि उनका सबसे बड़ा योगदान अपनी यात्राओं के माध्यम से भारत और तिब्बत के बीच प्राचीन संबंधों को फिर से उजागर करना और प्रचुर सामग्री भारत वापस लाना था। मिन्हाजू सिराज ने अपनी पुस्तक 'तबकात - ए-नासरी' में 12वीं शताब्दी के अंत में नालंदा, विक्रमशिला और उदवंतपुरी के प्राचीन विश्वविद्यालयों के विध्वंस का वर्णन किया है। मुख्य रूप से बौद्ध शाक्य सम्प्रदाय के मठों में संग्रहित कई अमूल्य पांडुलिपियों को तिब्बत से वापस लाए। इन ग्रन्थों को पलायनकारी भिक्षु अपने साथ तिब्बत ले गए थे। तिब्बत के मौसम ने यह सुनिश्चित किया कि ये प्रकृति की अनिश्चितताओं से नष्ट न हो।महापंडित ने संस्कृत, पाली और अन्य भाषाओं में दुर्लभ पांडुलिपियों को प्राप्त करने के लिए तिब्बत में लगातार चार अभियानों का नेतृत्व किया और उनके प्रयासों ने बुद्ध की शिक्षाओं को पुनर्जीवित किया जो विलुप्तता के कगार पर थीं। अपने प्रयासों से वह न केवल इन दुर्लभ हिंदू और बौद्ध ग्रंथो की प्रतियां वापस लाए बल्कि उपमहाद्वीप की भूली हुई विरासत और इतिहास पर भी प्रकाश डाला। राहुल सांकृत्यायन ने स्वयं पाली सीखी और बौद्ध ग्रंथ मध्यम निकाय का अध्ययन किया जिसमें बौद्ध प्रवचनों का वर्णन है। राहुल सांकृत्यायन के अनुसार, तिब्बत की उनकी यात्राएं अच्छे और बुरे दोनों अनुभवों से पूर्ण थी। जहां उन्होंने भारी कठिनाइयों का सामना किया, वहीं कुछ अनुभव बहुत अच्छे थे। उन्हें प्राचीन ताड़ के पत्तों की पांडुलिपियों के साथ-साथ भारतीय शैली की अमूल्य स्क्रॉल पेंटिंग भी मिली। 1926 में राहुल जी ने अपनी पहली तिब्बत यात्रा ज्यादातर पैदल तय की। उस यात्रा में उनका साथी केवल एक कुत्ता था। तिब्बत की उनकी बाद की यात्राओं में घोड़े तथा खच्चर यात्रा के साधन थे। उन्होंने लिखा है कि उनके पास जो पैसे थे उनमें से ज्यादातर यात्रा खर्च के लिए भी पर्याप्त नहीं थे। वह आगे लिखते हैं कि उन्हें कभी दूसरों से पैसा उधार लेना पसंद नहीं था, लेकिन तिब्बत में उन्हें इस व्यक्तिगत प्रवृत्ति को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। 1933-34 में अपनी दूसरी यात्रा के दौरान उन्होंने अपने उल्लेखनीय साथी, मित्र, दार्शनिक, कलाकार और भिक्षु 'गेदुन चोफ़ेल' से मुलाकात की। राहुलजी के अनुसार तिब्बत एक सुनहरा पुल था जिस पर वे एक-दूसरे से मिले थे। उनकी दोस्ती पारस्परिक सम्मान पर आधारित थी और दोनों ने एक-दूसरे की सोच और दृष्टिकोण को प्रभावित किया। वह गेदुन चोफ़ेल को लेकर भारत वापिस लौटे जिसे तिब्बती विद्वान ने अपने सपने का साकार होना बताया।भारत और तिब्बत के बीच के प्रगाढ़ संबंधों को उजागर करना है। उनकी तिब्बत से 22 खच्चर भर लाई गई पांडुलिपियां अनमोल हैं।महापंडित ने अपने गांव के स्कूल में केवल उर्दू का अध्ययन किया था, लेकिन 30 से अधिक भाषाओं में स्व-शिक्षित थे और 12 से अधिक में पारंगत थे। उन्होंने यात्रा वृतांत से लेकर उपन्यास तक 140 से अधिक ग्रंथ लिखे। उनका सबसे बड़ा योगदान आम जनता के लिए प्राचीन बौद्ध ग्रंथों का सरल हिंदी में अनुवाद करना रहा, जिससे यह सर्वसुलभ हो गया। उन्होंने तिब्बती-हिन्दी शब्दकोश भी लिखा। मूल बौद्ध सिद्धांतों को पढ़ने के लिए उन्होंने स्वयं पाली सीखी। बाद में वे श्रीलंका गये जहां उन्होंने संस्कृत पढ़ाई। राहुल सांकृत्यायन द्वारा लाई गईं अधिकांश पांडुलिपियां काशी प्रसाद जायसवाल संस्थान, पटना में संरक्षित हैं। श्री जयसवाल स्वयं एक प्रसिद्ध इतिहासकार और वकील थे जिन्होंने महापंडित को उनकी यात्राओं के वित्तपोषण और पांडुलिपियों के अनुवाद में सहायता की।राहुल सांकृत्यायन को साहित्य अकादमी और पद्म भूषण सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया । उन्होंने त्रिपटक ग्रंथ का गहन अध्ययन किया और उन्हें' त्रिपटकाचार्य' की उपाधि दी गई । उनकी रचनाएं मुख्य रूप से हिंदी में हैं, जिसके कारण अंग्रेजी भाषी अभिजात वर्ग द्वारा इसे नजरअंदाज कर दिया गया है। उनके समकालीन ज्ञानी उन्हें विलक्षण प्रतिभा का धनी मानते थे। पं. जवाहर लाल नेहरू ने कहा था, 'मैं केवल एक ही राहुल को जानता हूं जो विलक्षण हैं।'हमारा देश वर्तमान में 'सांस्कृतिक पुनरुद्धार' पर की ओर अग्रसर है। हमें महापंडित जैसे लोगों का अध्ययन करने और उनके योगदान से सीखने की जरूरत है। राहुल सांकृत्यायन ने जनमानस की चेतना से मिटाए गए ग्रंथों को फिर से खोजा। उनका लेखन भारत और तिब्बत के बौद्ध संबंधों और विरासत को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। महापंडित का जीवन 'चरैवेति -चरैवेति' वाक्यांश में समाहित है, जिसका अर्थ है निरंतर चलते रहो। 'बदलाव' भी उनके जीवन का उपयुक्त वर्णन होगा। राहुल सांकृत्यायन भारतीय ज्ञान तथा परंपरा के प्रतीक हैं जिसे पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। उन्होंने अपना समय एवं ऊर्ज़ा, हमारे प्राचीन ग्रंथों और संस्कृति के अध्ययन की पुनः खोज और उनके माध्यम से भारत और तिब्बत के बीच के संबंधों को और भी प्रगाढ़ करने में समर्पित किया जिसके लिये वह साधुवाद के भागी हैं।करीब 100 साल पहले राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाई गई विश्व प्रसिद्ध पांडुलिपियां आज भी अपने पूर्ण संरक्षण और अनुवाद की प्रतीक्षा कर रही हैं। यह धरोहर न केवल धार्मिक है, बल्कि प्राचीन भारत-चीन और तिब्बत संबंधों का सबसे बड़ा ऐतिहासिक प्रमाण भी है।राहुल सांकृत्यायन ने वर्ष 1929 से 1938 के बीच चार बार तिब्बत की दुर्गम यात्राएं की थीं। उन यात्राओं के दौरान उन्होंने मठों और गांवों का सघन सर्वेक्षण कर करीब 10 हजार ग्रंथ एकत्र किए थे। इस विशाल संग्रह का मुख्य हिस्सा उन्होंने बिहार एंड ओडिशा रिसर्च सोसाइटी, पटना को सौंपा था, जबकि दुर्लभ पांडुलिपियों का एक विशेष हिस्सा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण दिल्ली को दिया गया। दिल्ली के धरोहर भवन में रखी इन पांडुलिपियों में सबसे अद्भुत 'सेरडे' संस्करण है, जिसमें 108 पोथियां शामिल हैं। ये पांडुलिपियां हस्तनिर्मित कागज पर शुद्ध सोने की स्याही से लिखी गई हैं, जिन्हें 'कंजूर' यानी बुद्ध के प्रत्यक्ष वचन कहा जाता है। 'भोट' लिपि में लिखे गए इन 845 ग्रंथों को 20वीं शताब्दी की सबसे महत्वपूर्ण विश्व धरोहरों में गिना जाता है।ये ग्रंथ मात्र धार्मिक दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि 7वीं से 11वीं शताब्दी (अर्ली मेडिवल पीरियड) के उस दौर का इतिहास हैं जब लगभग 400 वर्षों तक नालंदा, विक्रमशिला और ओदंतपुरी के विद्वान निरंतर तिब्बत और चीन की यात्रा करते थे। इन ग्रंथों में आचार्य पद्मसंभव, शान्तरक्षित और दीपांकर श्रीज्ञान जैसे विद्वानों के वृत्तांत दर्ज हैं। महापंडित राहुल सांकृत्यायन का बिहार के भागलपुर के सुल्तानगंज से गहरा संबंध था। उन्होंने 1932 में सुल्तानगंज से प्रकाशित होने वाली प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिका ''गंगा'' के संपादक पंडित रामगोविन्द त्रिवेदी को बहुमूल्य परामर्श दिए थे। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक ''मेरी जीवन यात्रा'' में सुल्तानगंज की 'गंगा' पत्रिका के लिए अनेक ऐतिहासिक व पुरातात्विक लेख लिखने का जिक्र किया है। सुल्तानगंज (भागलपुर, बिहार) से प्रकाशित ''गंगा'' पत्रिका में राहुल जी के लेख छपते थे, जिनमें 'महायान की उत्पत्ति' और 'चौरासी सिद्धि' का जिक्र मिलता है।सुल्तानगंज के इसी समय के दौरान, उन्होंने तिब्बत से लाए गए बौद्ध चित्रों को बेचकर प्राप्त धन से नालन्दा महाविहार के पुनरुद्धार का विचार किया था। महापंडित राहुल सांकृत्यायन ने 1932 में सुल्तानगंज (बिहार) से निकलने वाली गंगा पत्रिका के सम्पादक पंडित रामगोविन्द त्रिवेदी को परामर्श दिया कि गंगा पत्रिका पुरातत्व विशेषांक प्रकाशित करे। 'गंगा' के स्वामी बनैली राज्य नरेश कुमार कृष्णानन्द सिह थे। उन्होने पुरातत्व विशेषांक के लिये प्रचुर धन प्रदान किया, लेकिन उनकी शर्त थी कि राहुलजी इस विशेषांक के अतिथि सम्पादक के दायित्व का निर्वहन करेंगे। 'गंगा' के पुरातत्व विशेषांक के सम्पादन के लिए राहुलजी को कुछ सप्ताह सुल्तानगंज मे रहना पड़ा। कुमार साहब के राजदरबार में सनातन धर्मावलम्बियों का प्रभुत्व था। सनातनियों को ज्ञात था कि राहुल सांकृत्यायन श्रीलंका के बौद्ध महाविहार में प्रवजित होकर अनीश्वरवादी हो गये। सनातन धर्म के इस तिरस्कार से वे क्षुब्ध थे। उन्होंने कहा, दुनिया के सभी प्रमुख धर्म किसी न किसी रूप में ईश्वर की सत्ता को स्वीकार करते हैं। गुरु नानक, संत कबीर, रामकृष्ण परमहंस, महात्मा गाधी आदि विश्ववंद्य महात्माओं ने भी ईश्वर के अस्तित्व मे आस्था व्यक्त की है, फिर राहुलजी क्यों अनीश्वरवादी हैं? राहुलजी ईश्वर की सत्ता को इसलिए नहीं मानते होंगे क्योंकि बौद्ध धर्म प्रतीत्यसमुत्पाद के नियम, अर्थात कारण-कार्य की श्रृंखला को मानता है। बौद्धधर्म कहता है कि सृष्टि का न तो कोई संचालन करने वाला है, न ही कोई सृजन करने वाला है। बौद्धधर्म की धारणा कि ब्रह्माण्ड का न आरंभ है और न अंत, पूर्णतः मिथ्या है, निराधार है। एक दिन कुमार साहब के दरबार में पण्डितों ने गंगा सम्पादक त्रिवेदीजी से कहा कि ''राहुलजी को कल यहाँ बुला लाइये। इस विषय पर शास्त्रार्थ होगा और हम लोग राहुलजी को ईश्वर मनवाकर दम लेंगे।'' त्रिवेदीजी लिखते है- ''मैने राहुलजी से सारी कथा कह सुनायी। किन्तु उन्होंने दरबार में जाने की आनाकानी की। राहुल जी राजनैतिक नेताओं और धनपतियों से उदासीन रहते थे। एक बार देशबन्धु चितरंजन दास से आप मिलने गये। थोड़ी देर बैठकर (बुलावा नहीं आने के कारण) बिना मिले ही लौट गये।

अंतरजनपदीय तस्करी का भंडाफोड़, 50 किलो गांजा बरामद

- करोवन मोड़ पर चेकिंग के दौरान वैगनआर से 10 लाख का गांजा पकड़ा, दो तस्कर गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद में अपराध एवं मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली सदर पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने संदिग्ध वाहन चेकिंग के दौरान 50 किलो अवैध गांजा बरामद कर दो अंतरजनपदीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की बाजार कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार 11 अप्रैल की रात उ0नि0 रामानंद पटेल अपनी टीम के साथ करोवन मोड़ पर संदिग्ध व्यक्ति व वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मरहला की ओर से आ रही एक सफ़ेद रंग की वैगनआर कार (संख्या ठ्ध 70 घ्ह्ब 6360) को रोका गया। कार में सवार दोनों युवक घबराए हुए नजर आए। पूछताछ में संतोषजनक जवाब न मिलने पर तलाशी ली गई, जिसमें वाहन से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जितेंद्र तिवारी उर्फ जीतू (24) व आदर्श कुमार तिवारी उर्फ राज (25) निवासी ग्राम सेंगरहा, थाना पश्चिम शरीरा, जनपद कौशांबी के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मध्य प्रदेश से गांजा खरीदकर उसे दिल्ली में बेचने के लिए ले जा रहे थे।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से 50 किलो नाजायज गांजा और प्रयुक्त वैगनआर कार बरामद की है। इस संबंध में कोतवाली सदर थाने में मु0अ0सं0 215/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत मिश्र के नेतृत्व में कोतवाली सदर पुलिस, स्वाट टीम प्रभारी जय प्रकाश यादव व सर्विलांस टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

ट्रांस गंगा सिटी में किसानों को प्लॉट दिलाने की कवायद तेज

शुक्लागंज। ट्रांस गंगा सिटी के किसानों के हक और उनके उज्ज्वल भविष्य को लेकर रविवार को ग्राम शंकरपुर सराय स्थित किसान कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैंक ऑफ इंडिया के सामने आयोजित इस बैठक में किसान आंदोलन द्वारा गठित प्लॉट आवंटन निगरानी समिति के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए किसान आंदोलन के प्रदेश संयोजक अजय अनमोल ने कहा कि ट्रांस गंगा सिटी में किसानों को मिलने वाले बेशकीमती निशुल्क प्लॉट उनके जीवन स्तर में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे। उन्होंने कहा कि इन भूखंडों से न केवल वर्तमान किसानों को लाभ मिलेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी समृद्धि के रास्ते खुलेंगे। अजय अनमोल ने जानकारी दी कि किसानों को जल्द से जल्द प्लॉट दिलाने के लिए उन्होंने राजभवन में राज्यपाल और लखनऊ में यूपीसीडा के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर विस्तृत चर्चा की है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक सभी 1580 किसान परिवारों को निशुल्क प्लॉट नहीं मिल जाते, तब तक वह चैन से नहीं बैठेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि किसानों के लंबे संघर्ष के बाद वर्ष 2014 में इसके लिए शासनादेश जारी हो गया था, लेकिन इसके क्रियान्वयन में हुई देरी दुर्भाग्यपूर्ण है।

ओवरलोड व फर्जी नंबर प्लेट वाले वाहनों पर प्रशासन का शिकंजा, 13 वाहनों पर कार्रवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- नवाबगंज टोल व दही थाना क्षेत्र में संयुक्त अभियान, दो ओवरलोड वाहन सीज, 11 का चालान
- नंबर प्लेट छिपाकर और बिगाड़कर चलने वालों पर सख्ती, आगे भी जारी रहेगा अभियान

उन्नाव। जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देश पर जनपद में ओवरलोड और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 11 व 12 मार्च की रात्रि में क्षेत्राधिकारी यातायात, क्षेत्राधिकारी हसनगंज, खनन निरीक्षक तथा सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी की संयुक्त टीम द्वारा नवाबगंज टोल प्लाजा और दही थाना क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान ऐसे वाहनों पर विशेष नजर रखी गई, जो ओवरलोड थे या बिना नंबर प्लेट, नंबर प्लेट पर कालिख पोतकर, कपड़े से ढककर अथवा नंबर को जानबूझकर बिगाड़कर चल रहे थे। जांच के दौरान दही थाना क्षेत्र में दो ओवरलोड वाहनों को खनन एवं मोटर वाहन अधिनियम की धाराओं में सीज किया गया।

इसके अलावा 11 अन्य वाहनों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं एवं ओवरलोडिंग के तहत चालान की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ इसी तरह सख्ती जारी रहेगी।

जिलाधिकारी द्वारा गठित संयुक्त जांच समिति द्वारा विभिन्न घाटों का किया स्थलीय निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जनपद में अवैध खनन की प्राप्त शिकायतों के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा गठित संयुक्त जांच समिति ने तहसील मंझनपुर क्षेत्र अंतर्गत महेवा घाट, महिला घाट (ऐगवा), महिलाघाट एवं पाली का सघन स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता (सिंचाई विभाग) एवं क्षेत्रीय पर्यावरण प्रतिनिधि अवर अभियंता द्वारा टीम के साथ तकनीकी मानकों के आधार पर स्थलीय एवं भौतिक सत्यापन किया गया। जांच के दौरान महिला घाट पुल के दाएं एवं बाएं किनारों पर अवैध खनन की पुष्टि नहीं पायी गयी जिससे संबंधित शिकायत निराधार पायी गयी। वहीं पाली गांव में अवैध खनन की सूचना पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित थानाप्रभारी एवं जिला खनन अधिकारी को निर्देशित किया गया कि मौके पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। अवैध खनन में प्रयुक्त संभावित आवागमन मार्ग जो घाट तक जाता है उसे जे.सी.बी. मशीन द्वारा खुदवाकर बाधित किये जाने के निर्देश दिये गये, ताकि भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगायी जा सके। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अवैध खनन के विरुद्ध सतत अभियान चलाया जा रहा है तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में 102 मरीजों का हुआ उपचार

शुक्लागंज।राजधानी मार्ग स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए पहुंचे। आरोग्य मेले का उद्देश्य आम लोगों को एक ही स्थान पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और परामर्श उपलब्ध कराना रहा। इस दौरान अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने मरीजों का गहन परीक्षण किया। डॉ. राजेश चंद्रा, डॉ. अक्षय कुमार और डॉ. रश्मि वर्मा ने मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श देने के साथ-साथ दवाइयों का वितरण भी किया। स्वास्थ्य कर्मियों के अनुसार इस शिविर में कुल 102 मरीजों का पंजीकरण कर उनका उपचार किया गया। मेले में मुख्य रूप से चर्म रोग, लीवर और पेट संबंधी समस्याएं, श्वास रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और खून की कमी से पीड़ित मरीज पहुंचे।

मई में होगा मेधावी छात्र–छात्राओं का सम्मान समारोह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। प्रजापति सभा की मासिक बैठक में आगामी मई माह में मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह के आयोजन का निर्णय लिया गया। इस संबंध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई, जिसमें हाईस्कूल व इंटरमीडिएट (यूपी बोर्ड व सीबीएसई) परीक्षा उत्तीर्ण छात्रों के साथ-साथ टॉप थ्री प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित करने की बात कही गई। सभा के अध्यक्ष गायत्री प्रसाद प्रजापति ने बताया कि पूरे जनपद से समाज के मेधावी छात्रों का चयन करने की जिम्मेदारी जिलास्तर, ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर के पदाधिकारियों व जागरूक युवाओं को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि सम्मान समारोह में शैक्षिक उपलब्धियों के साथ-साथ राजकीय सेवाओं में चयनित युवाओं को भी सम्मानित किया जाएगा।

बैठक में संगठन को और मजबूत बनाने के लिए नए सदस्यों को जोड़ने का अभियान लगातार जारी रखने पर भी जोर दिया गया। बैठक का आयोजन रामगुलाम प्रजापति के आवास, पूरननगर में संपन्न हुआ। इस दौरान समाज के प्रेरणास्रोत रहे स्वर्गीय सत्तीदीन प्रजापति की धर्मपत्नी रामप्यारी को स्मृति पत्र देकर उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया। बैठक में प्रेम प्रजापति, कन्हैयालाल प्रजापति, रामदत्त प्रजापति, जगन्नाथ प्रजापति, डॉ. महाबीर प्रजापति, अरविन्द्र प्रजापति सहित कई लोग उपस्थित रहे।

बकरी के घर में घुसने पर विवाद, दो पक्षों में जमकर मारपीट

सफीपुर। कोतवाली क्षेत्र के पखरौरा (मुस्तफाबाद) गांव में बकरी के घर में घुस जाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले, जिसमें चार महिलाओं सहित कुल नौ लोग घायल हो गए। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर में भर्ती कराया गया। इनमें से तीन लोगों की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पहले पक्ष के मुकीम के अनुसार उसकी बकरी पड़ोसी पुताना के घर में चली गई थी, जिससे विवाद शुरू हुआ। इस झगड़े में मुकीम, उसके भाई मोनू और सोनू तथा उनकी पत्नियां अर्चना, पिंकी और रूपा घायल हो गईं। वहीं दूसरे पक्ष की पुताना ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी के साथ अभद्रता की गई, जिसके विरोध पर मारपीट की गई।

गंगा रेलवे पुल पर मरम्मत कार्य तेज, नॉर्दर्न रेलवे के महाप्रबंधक ने किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शुक्लागंज। उत्तर रेलवे के सबसे व्यस्त लखनऊ-कानपुर रेल खंड पर स्थित गंगा नदी के रेलवे पुल की मरम्मत का कार्य रविवार को 11वें दिन भी युद्धस्तर पर जारी रहा। पुल के जर्जर ट्रफ और स्लीपरों को हटाकर नए आधुनिक एचबीम चैनल स्लीपर लगाने का कार्य तेजी से चल रहा है। इस कार्य का निरीक्षण करने नॉर्दर्न रेलवे के महाप्रबंधक राजेश कुमार पांडे अपनी उच्च स्तरीय टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

दोपहर 01:55 बजे परख शैलून से गंगाघाट स्टेशन पहुंचने के बाद उन्होंने चल रहे कार्यों का बारीकी से जायजा लिया। उनके साथ डीआरएम सुनील कुमार वर्मा, एडीआरएम सूर्यवीर सिंह चौहान और सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सभी अधिकारी पुश ट्रॉली के माध्यम से पुल के बीचो-बीच कार्यस्थल तक पहुंचे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पुल के स्पैन में लगाई जा रही स्टील की चादरों, एचबीम, नट-बोल्ट और स्टील प्लेटों की गहन जांच की। महाप्रबंधक ने कार्य की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए निर्माण सामग्री के सैंपल मौके से लेकर उन्हें तत्काल लैब में टेस्टिंग के लिए भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संवेदनशील रेल रूट पर सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गंगाघाट स्टेशन के निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक का कड़ा रुख भी देखने को मिला। स्टेशन मास्टर के केबिन में निरीक्षण के दौरान हस्ताक्षर करते देख उन्होंने नाराजगी जताई और अनुशासन पर सवाल उठाए। साथ ही टीआई अनिकेश शर्मा को भी लापरवाही पर फटकार लगाई।

बाँदा रोटी बैंक टीम ने जरूरतमंदों को किया कपड़ा वितरण

बांदा। प्रत्येक रविवार की तरह आज भी बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के संरक्षक शेख़ सादी जमा और बांदा रोटी बैंक सोसाइटी के सह संरक्षक चन्द्रमौली भारद्वाज जी के संरक्षण में बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के उपाध्यक्ष मोइनुद्दीन फ़ारूक़ी की अध्यक्षता में बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के सचिव मोहम्मद इदरीश के नेतृत्व में, ग्राम प्रधान ग्राम कनवारा श्री आशीष यादव(पप्पू) जी की उपस्थिति में,समाजसेवी ग्राम कनवारा सुनील यादव के सहयोग से, बाँदा शहर के जिम्मेदार जागरूक लोगों के द्वारा दान में दिए गए कपड़े,किताबें,जूते चप्पल आदि का वितरण ग्राम कनवारा ब्लॉक बड़ोखर तहसील बाँदा जनपद बाँदा के जरूरतमंद ग्रामीणों को किया गया तथा साथ ही ग्रामीणों को स्वास्थ्य, स्वच्छता, यातायात तथा उनके कानूनी अधिकारों के प्रति बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी की टीम की महिला उपाध्यक्ष तरन्नुम फ़ात्मा के द्वारा जागरूक किया।

समरसता जागरण उत्सव में उमड़ा जनसैलाब

- पथ संचलन से गूंजा एकता और राष्ट्रभक्ति का संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अवध प्रांत, गोला द्वारा भव्य 'समरसता जागरण उत्सव' का आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने नगर के प्रमुख मार्गों पर अनुशासित पथ संचलन निकालकर सामाजिक समरसता और राष्ट्रभक्ति का प्रभावी संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ लखीमपुर रोड स्थित सिद्धिविनायक पैलेस में मुख्य अतिथि नगर प्रचारक अभिषेक सनातनी द्वारा संघ ध्वज फहराकर किया गया। इसके उपरांत डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार, माधव सदाशिव गोलवलकर (श्री गुरुजी) एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर महापुरुषों को नमन किया गया। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए नगर प्रचारक अभिषेक सनातनी ने कहा कि बाबा साहब का जीवन सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ निरंतर संघर्ष की प्रेरणादायक गाथा है। उन्होंने समाज को बांटने वाली शक्तियों से सावधान रहने का आह्वान करते हुए एकजुटता पर बल दिया। वहीं जिला प्रचारक शिव प्रकाश ने पथ संचलन को साहस, शौर्य और अनुशासन का प्रतीक बताते हुए कहा कि संघ के स्वयंसेवक हर आपदा में सेवा के लिए सदैव अग्रिम पंक्ति में रहते हैं। संबोधन के बाद घोष की धुन पर पथ संचलन प्रारंभ हुआ, जो सिद्धिविनायक पैलेस से निकलकर नानक चौकी, सिनेमा रोड, अलीगंज रोड, सदर चौराहा, मोहम्मदी रोड, मिल डाइवर्जन और खुटार रोड होते हुए पुनः समापन स्थल पर पहुंचा। नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह स्थानीय नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का भव्य स्वागत किया। राष्ट्रभक्ति के नारों और अनुशासित कदमताल से पूरा नगर वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो उठा।

संक्षिप्त समाचार

अदलपुरा बड़ी शीतला माता धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

मीरजापुर। चुनार क्षेत्र के अदलपुरा स्थित बड़ी शीतला माता धाम में रविवार को आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने मां शीतला का विधि-विधान से दर्शन-पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में महिलाओं ने अपने बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराया और मन्नतें पूरी होने पर पूजा-अर्चना की। पूरे दिन मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का माहौल बना रहा। मंदिर पर मौजूद पुजारी उमाशंकर, रमाशंकर, विजय साहनी और अभिषेक साहनी ने श्रद्धालुओं को विधिवत दर्शन-पूजन कराया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कोतवाल विजय शंकर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर तैनात रहे और व्यवस्था संभालते नजर आए।

ससुराल में फंदे से लटका पाया गया विवाहिता का शव, पति के खिलाफ हत्या का आरोप

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित नैनी कोतवाली क्षेत्र में महेवा पश्चिम पट्टी मोहल्ले में रविवार को एक विवाहिता का शव ससुराल में फंदे से लटका पाया गया। सूचना पर पहुंचे मृतका के मायके वालों ने उसके पति के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस टीम ने मृतिका के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि यमुनानगर के नैनी कोतवाली क्षेत्र के महेवा पश्चिम पट्टी निवासी सुशीला (32) पत्नी दिनेश निषाद का शव रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका पाया गया। यह जानकारी होते ही मृतका के भाई मुकेश कुमार निषाद ने सूचना दी कि उसकी बहन की हत्या उसके पति दिनेश निषाद ने की है। पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। फिर भी मृत्यु का स्पष्ट कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया जाएगा। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए मृतका के भाई मुकेश ने बताया कि मेरी बहन की 2019 में हुई थी। उसके एक पांच वर्ष का बेटा है। हमारी बहन का गला घोटकर उसके पति ने मार डाला।

गोरखपुर में माध्यमिक शिक्षक संघ का प्रांतीय सम्मेलन 8-9 मई को

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई) का संघ का 63वां वार्षिक महाधिवेशन 8 एवं 9 मई को गोरखपुर स्थित गोकुल अतिथि भवन में आयोजित किया जाएगा। इस महाधिवेशन के संयोजक प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जयप्रकाश नायक तथा सहसंयोजक गोरखपुर के जिलाध्यक्ष हरोमल गोंड होंगे। संघ के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्र एवं वरिष्ठ प्रदेश मंत्री रामबदल त्रिपाठी ने रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि वर्तमान समय में शिक्षकों के सम्मान, स्वाभिमान एवं सुरक्षा पर लगातार चुनौतियां बढ़ रही हैं। शिक्षकों की समस्याओं के समाधान हेतु संगठन लगातार संघर्षरत है और महाधिवेशन में पुरानी पेंशन बहाली, वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों के लिए समान वेतन, तदर्थ शिक्षकों का विनियमितीकरण, रिक्त पदों पर भर्ती तथा सेवा सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। महाधिवेशन में शिक्षक हितों से जुड़े नए प्रस्ताव भी रखे जाएंगे।

मंदबुद्धि महिला से दुष्कर्म मामले का आरोपित गिरफ्तार

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में थाना शिकोहाबाद पुलिस टीम ने रविवार को मंदबुद्धि महिला से घर में घुसकर दुष्कर्म करने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्यवाही कर उसे जेल भेजा है। शिकोहाबाद थाना प्रभारी अनुज कुमार ने बताया कि उक्त मामले का आरोपित कमलेश पुत्र पंचम सिंह निवासी ग्राम दिवाईची ने घर में घुसकर एक मंदबुद्धि महिला के साथ जबरन गलत काम किया था। विरोध करने पर महिला के साथ मारपीट की तथा घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। इस मामले में पीड़ित महिला के पति ने एक दिन पूर्व 11 अप्रैल को थाने पर नामजद मुकदमा दर्ज कराया था।

किशोरी का अपहरण के बाद दुष्कर्म व हत्या मामले के दो आरोपित मुठभेड़ में घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में चार दिन पूर्व किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म और हत्या कर शव को कुएं में फेंकने वाले दो आरोपित पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गए। देर रात शनिवार को स्वाट, सर्विलांस और उल्दन थाना पुलिस की संयुक्त टीम से हुई मुठभेड़ में दोनों के पैर में गोली लगी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, 7 अप्रैल को उल्दन थाना क्षेत्र के निमौनी गांव में एक कुएं से किशोरी का शव बरामद हुआ था। मृतका की पहचान हर्षिता आर्य पुत्री सुरेश कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, जिसमें दो संदिग्धों के नाम सामने आए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देश पर आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई थी।

एसपी सिटी प्रीति सिंह ने रविवार को बताया कि उक्त मामले में पुलिस टीम बीती देर रात निमौनी रपटा पुल के पास संदिग्धों की तलाश में गश्त कर रही थी।

इसी दौरान बाइक सवार दो युवकों को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने पुलिस पर तमंचे से फायरिंग कर दी और भागने लगे। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग में दोनों आरोपितों के पैर में गोली जा लगी और वे घायल होकर गिर पड़े।

एसपी सिटी ने बताया कि घायल आरोपितों ने पूछताछ में अपने नाम शैलेंद्र अहिरवार और ठाकुर दास निवासीगण ग्राम निमौनी बताए हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से तमंचा, 7 जिंदा कारतूस, खोखा कारतूस, एक बाइक और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पूछताछ में दोनों ने किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म और हत्या करने के बाद शव कुएं में फेंकने की बात कबूल की है। आरोपितों को उपचार के लिए अस्पताल भेजते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मुरादाबाद के नेचरोपेथी सेंटर में लगा विशेष योग कार्यक्रम

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में कांठ रोड पर मोरा की मिलक स्थित बलदेव अग्रवाल नेचरोपेथी सेंटर रविवार को एक बार फिर स्वास्थ्य जागरूकता और समग्र चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करता नजर आया। यहां आयोजित विशेष योग कार्यक्रम ने न केवल लोगों को आकर्षित किया, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली की ओर एक सकारात्मक संदेश भी दिया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि सेंटर में योग के साथ-साथ पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचारों की सुविधाओं से भी रूबरू कराया गया। आधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न बीमारियों के बीच यह सेंटर प्राकृतिक चिकित्सा और योग के माध्यम से लोगों को एक संतुलित और स्वस्थ जीवन जीने की दिशा में प्रेरित कर रहा है। योग सत्र के दौरान अनुभवी प्रशिक्षकों ने उपस्थित लोगों को विभिन्न आसनों, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया। प्रतिभागियों ने इस सत्र को बेहद लाभकारी बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम मानसिक शांति और शारीरिक सुदृढ़ता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

वाराणसी के घाटों पर पर्यटकों ने निशुल्क वाईफाई सुविधा का लिया लाभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में रविवार को अस्सी घाट पर पहुंचें पर्यटकों ने निशुल्क वाईफाई सेवा का लाभ लिया। इस दौरान पर्यटकों ने बीएसएनएल की ओर दी जा रही इस सेवा कार्य की सराहना की।

पर्यटक संजीव और आलोक ने कहा कि छुट्टी का दिन होने के कारण वह ट्रेन से सुबह के वक्त वाराणसी पहुंचे। यहां घूमते हुए अस्सी घाट पर उन्हें निशुल्क वाईफाई की सुविधा की जानकारी हुई और इस सुविधा का उन्होंने लाभ उठाया।

सुलतानपुर से आए पर्यटकों ने कहा कि वाराणसी में घूमने वाली जगह पर इसी तरह वाईफाई की सुविधा निशुल्क उपलब्ध होगी, जिससे बाहर से आने वाले लोगों को अपने मोबाइल पर इंटरनेट की स्पीड धीमी होने के बाद इसका लाभ उठा सकेंगे। घाट पर उपलब्ध निशुल्क वाईफाई सुविधा बेहद अच्छी शुरुआत है।

बीएसएनएल दे रहा वाईफाई सुविधा

बीएसएनएल के प्रधान महाप्रबंधक अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि अस्सी घाट और दशाश्वमेध घाट पर निशुल्क वाईफाई सर्विस की शुरुआत की गई है। 24 घंटे पहले शुरू हुई निशुल्क वाईफाई की सुविधा का पर्यटक और स्टूडेंट लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए बीएसएनएल ने दोनों घाटों पर फ्री वाईफाई जोन के बोर्ड लगा दिए गए हैं। उन पर अंकित

खेत में मजदूर का शव मिलने से मचा हड़कंप

- फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। गोला कोतवाली क्षेत्र के भुड़वारा गांव में शनिवार रात गन्ने के खेत में एक मजदूर का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान वंशी (40) पुत्र छोटे लाल के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के मुताबिक वंशी पिछले लगभग छह वर्षों से गांव निवासी कलाम के यहां मजदूरी करता था। शनिवार सुबह वह खेत पर काम करने गया था और दोपहर में घर लौटने के बाद शाम को फिर खेत चला गया। देर शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने ग्रामीणों के साथ उसकी तलाश शुरू की।

तलाश के दौरान वंशी का शव कलाम के खेत के पास स्थित बजाज के गन्ने के खेत में पड़ा मिला, जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। गोला कोतवाल अम्बर सिंह ने बताया कि मृतक के शरीर पर किसी भी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में इस समय गन्ने के बीज के लिए कटाई का कार्य चल रहा था। घटना की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए गए हैं। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच में जुटी हुई है।

अखिल भारतीय प्रेस परिषद की बैठक संपन्न, संगठन की मजबूती व पत्रकार एकता पर जोर

ईसानगर खीरी। ईसानगर ब्लॉक क्षेत्र के कटौती स्थित खजुहा सेंटर बाजार में अखिल भारतीय प्रेस परिषद (इउच्छ) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। सुमेर वर्मा के प्रतिष्ठान पर संपन्न इस बैठक में संगठन की मजबूती और भविष्य की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के मुख्य समन्वयक आर.के. वर्मा एवं स्टेट कोऑर्डिनेटर मुकेश पांडे उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संगठन का उद्देश्य पत्रकारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और उनके हितों की रक्षा करना है। बैठक के दौरान धौरहरा एवं आसपास के क्षेत्रों के दर्जनों पत्रकारों ने संगठन की विचारधारा में विश्वास जताते हुए सदस्यता ग्रहण की। वक्ताओं ने कहा कि परिषद को क्षेत्र में और अधिक सक्रिय बनाकर पत्रकारों की आवाज को शासन-प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर रामकंात यादव, अनुज पांडे, सुमेर वर्मा, सज्जाद अहमद, कमल किशोर तिवारी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

सरदार पटेल प्रतियोगिता में 374 छात्र-छात्राओं ने दिखाया हुनर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कल्याण भवः संस्थान के तत्वावधान में लखीमपुर रोड स्थित कृषक समाज इंटर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित सरदार पटेल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में नगर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के कुल 374 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता को चार प्रमुख श्रेणियों में आयोजित किया गया, जिसमें कक्षा 3 से लेकर स्नातक एवं परास्नातक स्तर तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसमें सामान्य ज्ञान, मेहंदी, चित्रकला (रंगों द्वारा) तथा पेंसिल शेडिंग जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता और बौद्धिक क्षमता देखने को मिली। इस आयोजन में कृषक समाज इंटर कॉलेज (मेजबान), गुरु नानक इंटर कॉलेज एवं डिग्री कॉलेज, ब्राइटलैंड अकैडमी, चिल्ड्रेन एकेडमी, स्वामी विवेकानंद बाल उद्यान, पब्लिक इंटर कॉलेज, आदर्श सरस्वती जूनियर हाई स्कूल, सी.जी.एन. पी.जी. कॉलेज, कौशल किशोर इंटर कॉलेज, अटकोहना, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, महर्षि अरविंद विद्यापीठ एवं वी.के. सरस्वती विद्या निकेतन सहित कई संस्थानों की सहभागिता रही। आयोजकों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी में विजयी प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे, जबकि सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। आयोजक मंडल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को मंच मिलता है और उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम के अंत में सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

प्रतियोगिता को सफल बनाने में प्रभारी अंकित वर्मा, संचालक अंशु कुमारी वर्मा तथा सदस्य नेहा, मानसी, ऋतिक वर्मा, धनंजय गिरी व श्रद्धा शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महिला थाने में काउंसलिंग से बचीं 5 शादियां, 15 मामलों में हुआ सुलह समझौता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग के नेतृत्व में चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थाना में पारिवारिक विवादों के समाधान के लिए काउंसलिंग अभियान चलाया गया। थानाध्यक्ष महिला थाना शिल्पी शुक्ला ने काउंसलर टीम के साथ मिलकर दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा एवं पारिवारिक विवाद से जुड़े मामलों में सुनवाई की। काउंसलिंग के माध्यम से कुल 15 मामलों में सुलह-समझौते का प्रयास किया गया, जिसमें 5 पति-पत्नी के जोड़ों को आपसी सहमति से विदा कराकर उनके रिश्ते को टूटने से बचाया गया। इसके अलावा 4 मामलों में पति-पत्नी के बीच अधिक मनमुटाव होने के कारण उन्हें विचार करने के लिए समय दिया गया, जबकि 2 मामले न्यायालय में लंबित होने के चलते पक्षकारों ने कोर्ट में सुलह के लिए सहमति जताई। वहीं 4 मामलों में सुलह संभव न होने पर पीड़िताओं द्वारा मुकदमा दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की गई।

इस दौरान काउंसलर श्रीमती नीति गुप्ता, कय्यूम जरवानी व सुश्री कुसुम गुप्ता सहित महिला आरक्षी सुमन लता, बबली पवार व सारिका सिंह चौहान मौजूद रहीं।

अभियान के तहत उपस्थित महिलाओं व उनके परिजनों को महिला हेल्पलाइन नंबर तथा कन्या सुमंगला योजना, सामूहिक विवाह योजना और निराश्रित पेंशन योजना जैसी सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक भी किया गया।

फटी पाइपलाइन से रोज हजारों लीटर पानी बर्बाद, शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नगर के विकास चौराहा के पास खुटार रोड स्थित पलिया बस अड्डा क्षेत्र में पिछले करीब 10 दिनों से पेयजल पाइपलाइन फटी होने के कारण प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। विभागीय लापरवाही के चलते समस्या लगातार बनी हुई है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है। स्थानीय निवासियों के अनुसार करीब 5 दिन पहले नगर पालिका के हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराई गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद क्षेत्रीय लोगों ने नगर पालिका गोला और जल निगम के जूनियर इंजीनियर आदर्श (जेई) को भी अवगत कराया, फिर भी समस्या जस की तस बनी हुई है। लोगों का कहना है कि एक ओर जहां पानी की किल्लत से कई इलाके जूझते हैं, वहीं दूसरी ओर इस तरह की लापरवाही से कीमती पेयजल व्यर्थ बह रहा है। स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग से जल्द से जल्द पाइपलाइन दुरुस्त कर पानी की बर्बादी रोकने की मांग की है।

ऐतिहासिक चैती मेले में अव्यवस्थाओं का अंबार पत्रकार दीर्घा पर अतिक्रमण से बढ़ी परेशानी

- मेले में चोरी की घटनाएं बढ़ीं, गंदगी और जलभराव से जनता परेशान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नगर के ऐतिहासिक चैती मेले में इस बार अव्यवस्थाओं का अंबार देखने को मिल रहा है। जहां एक ओर भारी बजट और सरकारी सहयोग की बात की जा रही है, वहीं दूसरी ओर मूलभूत व्यवस्थाएं चरमराती नजर आ रही हैं। मेले में पत्रकार दीर्घा के सामने बड़े-बड़े साउंड सिस्टम रख दिए जाने से कवरेज में गंभीर बाधा उत्पन्न हो रही है। कार्यक्रमों के दौरान पत्रकारों के बैठने और कार्य करने की कोई समुचित व्यवस्था नहीं दिखाई दे रही, जिससे पत्रकारों में रोष व्याप्त है।

वहीं सुरक्षा व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। मेले में आए लोगों के साथ चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। महिलाओं के पर्स, कुंडल और सोने की चेन छीने जाने की घटनाएं सामने आई हैं, जबकि मौके पर पुलिस की मौजूदगी न के बराबर बताई जा रही है। इससे स्थानीय लोगों और ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा मेले में जगह-जगह जलभराव और गंदगी की स्थिति बनी हुई है। कीचड़ और पानी के कारण लोग फिसलकर चोटिल हो रहे हैं, जबकि कूड़े के ढेर और प्लास्टिक कचरा पूरे मेला क्षेत्र में फैला हुआ है। सफाई व्यवस्था भी केवल औपचारिकता तक सीमित नजर आ रही है स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मेले की व्यवस्थाओं को तत्काल सुधारते हुए सुरक्षा, सफाई और पत्रकारों के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि इस ऐतिहासिक मेले की गरिमा बनी रह सके।

वरुथिनी एकादशी पर गूंजेंगे बाबा श्याम के जयकारे, कंजा बाबा देवस्थान में भव्य संकीर्तन

अज़ान खीरी। बाबा खाटू श्याम के आशीर्वाद से श्री श्याम दीवाने सेवा समिति द्वारा वरुथिनी एकादशी का पावन पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। प्रत्येक एकादशी की भांति इस बार भी भव्य संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सोमवार, 13 अप्रैल को कंजा बाबा देवस्थान स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में बाबा श्याम के श्रीचरणों में भव्य संकीर्तन होगा। कार्यक्रम शाम 7:30 बजे से शुरू होकर रात्रि 10:00 बजे तक चलेगा। इस दौरान बाबा का भव्य श्रृंगार किया जाएगा और मधुर भजनों की अमृत वर्षा होगी, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो जाएगा। वरुथिनी एकादशी के अवसर पर मंदिर को विशेष रूप से सजाया जा रहा है।समिति ने क्षेत्र के सभी श्याम प्रेमियों और श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।भक्तों के स्वागत एवं व्यवस्थाओं को लेकर समिति के सदस्य पूरी तरह से तैयारियों में जुटे हुए हैं।

भाजपा पदाधिकारियों ने गांव-बस्ती पहुंचकर गिनाईं सरकार की 9 वर्षों की उपलब्धियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। प्रदेश सरकार की उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के तहत ग्राम/बस्ती संपर्क अभियान के अंतर्गत हैदराबाद गांव में भाजपा पदाधिकारियों द्वारा घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान आमजन से संवाद कर योगी सरकार के 9 वर्षों की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चेयरमैन मैलानी श्रीमती कीर्ति महेश्वरी मौजूद रहीं।

उनके साथ मण्डल महामंत्री मिथलेश मिश्रा, महामंत्री रमन सोनी, मण्डल उपाध्यक्ष सुमित अवस्थी, शक्तिकेंद्र संयोजक सुनीत मिश्रा, पूर्व प्रधान प्रमोद वर्मा उर्फ शेरू, सतेंद्र सोनी सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे इस दौरान पारस नाथ मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया और डोर-टू-डोर संपर्क कर लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित भी किया गया। पदाधिकारियों ने बताया कि जनता का मिल रहा अपार समर्थन यह दर्शाता है कि प्रदेश विकास, सुशासन और जनसेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रहा है।

लक्ष्मीनगर में भाजपा का स्वच्छता व जनसंपर्क अभियान, मंदिर में श्रमदान कर घर-घर पहुंचे कार्यकर्ता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'ग्राम बस्ती जनसंपर्क अभियान' के तहत शनिवार को गोला नगर के वार्ड नंबर 7 स्थित लक्ष्मीनगर कॉलोनी में स्वच्छता एवं जनसंपर्क अभियान चलाया गया। कार्यक्रम पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा 'टेनी' और भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अभियान की शुरुआत क्षेत्र के प्रसिद्ध बाबा धर्मेश्वर नाथ मंदिर में स्वच्छता अभियान से हुई, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने मिलकर मंदिर परिसर में श्रमदान कर साफ-सफाई की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि धार्मिक स्थलों की स्वच्छता न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि स्वस्थ समाज की आधारशिला भी है। इसके बाद कार्यकर्ताओं की टीम ने लक्ष्मीनगर कॉलोनी में घर-घर जाकर जनसंपर्क किया। इस दौरान केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान का आश्वासन दिया गया।

बांकेगंज में ऐप्जा की बैठक, पत्रकार हितों व सम्मान पर हुई अहम चर्चा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। बांकेगंज कस्बे के विनायक इंटर कॉलेज में रविवार को ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन (ऐप्जा) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें पत्रकारों के अधिकार, सम्मान और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में ऐप्जा के चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग सारथी ने स्पष्ट कहा कि पत्रकारों के मान-सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता की भूमिका पर जोर देते हुए संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। जिला अध्यक्ष संदीप शुक्ला ने पत्रकारों के संघर्षों और उनकी उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। प्रातः 10:30 बजे विनायक इंटर कॉलेज पहुंचे मुख्य अतिथियों का क्षेत्रीय पत्रकारों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया, जिसके बाद बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में पत्रकारों की समस्याओं, उनके अधिकारों की सुरक्षा तथा संगठन की नीतियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान आगामी पत्रकार जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम और मीडिया की भूमिका को और सशक्त बनाने की योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

बैठक में जिला संरक्षक हाजी हसीब खान, वरिष्ठ पत्रकार श्याम लाल अग्रवाल, राजीव गोयल, धर्मवीर गुप्ता, संतोष कुमार सक्सेना, मतीन अहमद, प्रधान संघ अध्यक्ष हरजिंदर सिंह, कृष्ण किशोर मिश्रा, अमित कुमार, अवनीश कुमार, वीरेंद्र यादव, नरेंद्र कुमार, संजीव बाजपेई, डॉ. अशोक कुमार, भारत विशाल, ऋषि गोयल, रमेश कुमार व अमन तिवारी चौहान सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

करंट लगने से नाबालिग युवक की मौत, ग्रामीणों ने लगाया जाम

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में थाना जसराना क्षेत्र अन्तर्गत रविवार को उच्च तापीय लाइन का करंट लगने से एक नाबालिग की मौत हो गई। घटना से गुस्साएं ग्रामीणों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जाम लगा दिया। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाकर जाम खुलवाया और शव को पोस्टमार्टम भेजते हुए कार्रवाई की। जसराना थाना क्षेत्र के गांव मटियारी सराय निवासी गिरीश चंद्र का पुत्र सोनू (17) आज अपने खेत पर जा रहा था, तभी अचानक वह उच्च तापीय विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने मार्ग पर जाम लगा दिया। इस दौरान विद्युत विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों का आरोप है कि खेतों के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार काफी नीचे लटक रहे थे, जिसकी शिकायत कई बार विभाग से की गई थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए यह हादसा हुआ है। जाम और प्रदर्शन की सूचना मिलने पर एसडीएम जसराना और सीओ जसराना प्रेम प्रकाश पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझाकर स्थिति को संभाला। प्रशासन ने जाम खुलवाया और हालात को नियंत्रित किया। सीओ जसराना प्रेम प्रकाश पांडे ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया यह मामला हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से नाबालिग युवक की मौत प्रतीत हो रही है। संबंधित विभाग से भी जानकारी ली जा रही है और नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

युवक की हत्या में फरार पांच आरोपित गिरफ्तार

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया जनपद के सुरौली थाना क्षेत्र में बीते दिन एक युवक की हत्या का पुलिस ने रविवार को खुलासा करते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में प्रयुक्त सामान और दो मोटरसाइकिलें भी बरामद हुई हैं। थानाध्यक्ष अविनाश मौर्या ने बताया कि 28 मार्च को भटजमुआव के पास गेहूं के खेत में एक अज्ञात शव मिला था। उसकी पहचान उन्नाव जिले में औरास के चकबरेसर निवासी रवि प्रकाश के रूप में हुई। वह देवरिया के सोनूघाट स्थित एक फ्रूट सप्लायर कंपनी में कार्यरत था। इस मामले में मृतक के ससुर शिव बहादुर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस के हाथ लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान हुई। पुलिस ने तिवई बैदा मार्ग स्थित बिंदवलिया पुल के पास से पांच अभियुक्त करन भारती, धनंजय, पंकज भारती, अरुण कुमार और आकाश यादव को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि घटना के दिन मृतक ने उनसे लिफ्ट मांगी थी। रास्ते में किसी बात को लेकर कहासुनी होने पर उन्होंने लाठी-डंडे से पीटकर और मोटरसाइकिल से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। बाद में शव को खेत में फेंक दिया । पुलिस ने अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल एक लाठी, कड़ा, अंगूठी समेत अन्य चीजें जब्त की गई हैं।

घर में फंदे से लटका मिला वृद्ध महिला का शव

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के मऊआइमा थाना क्षेत्र में रविवार को घर के अन्दर वृद्ध महिला का फंदे से लटका शव मिला है। घर से दुर्गन्ध आने के बाद पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि मऊआइमा थाना क्षेत्र के बोड़ीपुर धरौता गांव निवासी लल्ली देवी (65) पत्नी स्वर्गीय नन्द लाल के दो बेटे और दो बेटियां हैं। बेटियों और बड़े बेटे समर बहादुर की शादी हो चुकी है। छोटे बेटे राज बहादुर की दिमागी हालत ठीक नहीं है। वर्तमान में वृद्ध महिला लल्ली देवी और छोटा बेटा ही घर में थे। आज घर से दुर्गन्ध आने पर पड़ोसियों को वृद्धा के फांसी लगाए जाने जानकारी हुई तो पुलिस एवं उसकी बेटियों एवं बहू को खबर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को किसी तरह फंदे से उतारा।

फर्जी शादी के नाम पर अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, 7 आरोपित गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। थाना चिलुआताल पुलिस ने शादी का झांसा देकर अंतरराज्यीय लोगों को बुलाकर फर्जी विवाह कराने और खुद को पुलिस अधिकारी बताकर बंधक बनाकर रंगदारी वसूलने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 6 अभियुक्तों व 1 अभियुक्ता सहित कुल 7 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 1,66,600 रुपये नकद, 2 कूटरचित पुलिस परिचय पत्र तथा 2 आधार कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में अंकुर सिंह, राजू शर्मा, धीरेन्द्र यादव उर्फ टुनटुन, रवि चौधरी, मुन्ना जायसवाल, नवमी शर्मा तथा अभियुक्ता शैला देवी शामिल हैं। सभी के खिलाफ थाना चिलुआताल में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य पहले अन्य राज्यों के लोगों को लड़की की फोटो भेजकर शादी का झांसा देते थे। इसके बाद उन्हें गोरखपुर बुलाकर एक तय स्थान पर फर्जी शादी कराई जाती थी। इसी दौरान गिरोह के कुछ सदस्य खुद को पुलिस अधिकारी या कर्मचारी बताकर मौके पर पहुंचते थे और पीड़ितों को बंधक बना लेते थे।

आरोपी पीड़ितों को झूठे मामलों में फंसाने और जान से मारने की धमकी देकर उनसे मोटी रकम वसूलते थे। इसी तरह एक मामले में राजस्थान के कोटा सिटी निवासी पीड़ित से 3,11,600 रुपये की रंगदारी वसूली गई थी। इस संबंध में थाना अनन्तपुरा (कोटा) में जीरो एफआईआर दर्ज होने के बाद मामला गोरखपुर स्थानांतरित हुआ, जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की।

गिरफ्तार अभियुक्त अंकुर सिंह पर हत्या के प्रयास, लूट, आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। अन्य आरोपियों का भी आपराधिक इतिहास सामने आया है, जिससे स्पष्ट होता है कि यह गिरोह संगठित तरीके से लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त था।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष सूरज सिंह के साथ उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार, चंदन नारायण, विनय कुमार सिंह, राकी जायसवाल, विकास यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे गिरोहों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि विवाह जैसे मामलों में किसी अनजान व्यक्ति या एजेंट के झांसे में न आएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

बीएचयू में नियमितीकरण की मांग, रातभर धरने पर बैठी रही संविदा महिला कर्मचारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में 199 जूनियर क्लर्क पदों की भर्ती परीक्षा को लेकर शुरू हुआ विवाद अब गहराने लगा है। विश्वविद्यालय के तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के संविदा एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी पिछले 6 दिनों से विश्वविद्यालय परिसर स्थित मधुबन में धरने पर बैठे हैं। धरने में शामिल कर्मचारी विश्वविद्यालय प्रशासन के रवैये को लेकर बेहद नाराज है। उनका दो टूक कहना है कि जब तक उनके नियमितीकरण का मामला सुलझ नहीं जाता, तब तक नई भर्ती प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए। धरने पर बैठे कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि वर्षों से सेवाएं देने के बावजूद उनके नियमितीकरण को टाला जा रहा है, जबकि अब नई भर्ती के माध्यम से बाहरी नियुक्तियां करने की तैयारी की जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने विश्वविद्यालय में 10 से 40 वर्षों तक अपनी सेवाएं दी हैं, ऐसे में उन्हें प्राथमिकता दिए बिना नई भर्ती करना अन्यायपूर्ण है। कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर उत्पीड़न के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पहले उन्हें केंद्रीय कार्यालय से हटाकर मधुबन क्षेत्र में स्थानांतरित किया गया और फिर धरना स्थल की बिजली तक काट दी गई। तेज गर्मी और अंधेरे में रात बिताने को मजबूर कर्मचारियों का आक्रोश और बढ़ गया, जिसके बाद वे सड़क पर उतर आए।

विजय रथ पर सवार रॉयल्स की भिड़ंत सनराइजर्स से

एजेंसी

हैदराबाद। बेहतरीन फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां जब सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी तो उसकी नजरें शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर टिकी होंगी। रॉयल्स ने मौजूदा सत्र में लगभग हर विभाग में अपना दबदबा दिखाया है। चार मैच में चार जीत टीम के दबदबे को दिखाती है। टीम के पास खतरनाक शीर्षक्रम और बेहद संतुलित गेंदबाजी आक्रमण है। टीम की सफलता में यशस्वी जायसवाल और किशोर स्टार वैभव सूर्यवंशी की धमाकेदार सलामी जोड़ी की अहम भूमिका रही है जिन्होंने पावरप्ले में लगातार विरोधी टीम के आक्रमण को ध्वस्त किया है। जायसवाल और सूर्यवंशी की निडर बल्लेबाजी ने उन्हें मौजूदा सत्र की सबसे खतरनाक जोड़ियों में से एक बना दिया है। तीसरे नंबर पर

ध्रुव जुरेल ने स्थिरता दी है और यह सुनिश्चित किया है कि टीम लय नहीं खोए। कप्तान रियान पराग की अगुआई वाले मध्य क्रम की अब तक अधिक परीक्षा नहीं हुई है। हालांकि मध्य क्रम के बल्लेबाज अब तक मिले सीमित मौकों का पूरा फायदा नहीं उठा पाए हैं और शायद यह टीम के दमदार अभियान में एकमात्र चिंता की बात है। रॉयल्स की गेंदबाजी में हालांकि मौजूदा सत्र में काफी सुधार दिख रहा है। पिछले सत्र में गेंदबाजों की नाकामी के कारण नौवें स्थान पर रहने के बाद वे कहीं अधिक अनुशासित और खतरनाक आक्रमण के रूप में लौटे हैं। जोफ्रा आर्चर ने तेजी और सटीकता के साथ गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई की है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर ने कोण और उछाल का इस्तेमाल करके विरोधी बल्लेबाजों को काफी परेशान किया है। संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे ने उनका अच्छा साथ दिया है। बीच के ओवरों में रवि बिश्नोई सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। वह नौ विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाजों की सूची में सबसे ऊपर हैं जबकि रविंद्र जडेजा के टीम से जुड़ने से स्पिन विभाग को और मजबूती मिली है। इसके उलट सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव वाला रहा है। टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रही है। अपने चार में से तीन मैच हारने के बाद पूर्व चैंपियन टीम छठे स्थान पर हैं। टीम अपनी पुरानी रणनीति पर चल रही है। वे तेज शुरुआत के लिए ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की तूफानी जोड़ी पर निर्भर हैं लेकिन दोनों ही लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। कार्यवाहक कप्तान इशान किशन भी अपनी शुरुआती पारी के बाद खराब फॉर्म में हैं। रन बनाने की जिम्मेदारी अधिकतर समय हेनरिक क्लासेन ने निभाई है जिन्होंने चार पारियों में 184 रन बनाए हैं और सनराइजर्स को कछ मौकों पर वापसी दिलाने में सफल रहे हैं। गेंदबाजी हालांकि टीम का कमजोर पक्ष है और नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी ने टीम की परेशानियों को बढ़ा दिया है। गेंदबाजी आक्रमण विरोधी बल्लेबाजों को रोकने में जूझ रहा है विशेषकर बल्लेबाजी के अनुकूल हालात में जिससे बल्लेबाजों पर और दबाव पड़ रहा है। सनराइजर्स को अगर रॉयल्स की लय बिगाड़नी है तो शुरुआती विकेट और चटकाने होंगे तथा गेंदबाजी में एकजुट प्रदर्शन करना होगा।

रॉयल्स के मैनेजर भिंडर ने डगआउट में फोन का उपयोग करके नियमों का उल्लंघन किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के टीम मैनेजर रहे रोमी भिंडर विवादों में घिर गए हैं, क्योंकि टीवी कैमरों ने उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान टीम के डगआउट में मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए पकड़ा है। इस घटना को सबसे पहले एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने इंस्टाग्राम पर साझा किया था, लेकिन यह पुष्टि हो गई है कि शुक्रवार को गुवाहाटी में रॉयल्स की छह विकेट से जीत के दौरान भिंडर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहे थे। तब युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी उनके बगल में बैठे हुए थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने भी इसकी पुष्टि की कि भिंडर ने नियमों का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा,''जी हां, भिंडर ने वास्तव

में खिलाड़ियों एवं मैच अधिकारियों के क्षेत्र (पीएमओए) के प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है क्योंकि मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल फोन प्रतिबंधित हैं। आईपीएल की आधिकारिक वेबसाइट पर पीएमओए प्रोटोकॉल 2026 से संबंधित नियम के अनुसार, ''टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम में फोन का उपयोग कर सकता है, लेकिन डगआउट में नहीं। भिंडर फ्रेंचाइजी की शुरुआत से ही इससे जुड़े हुए हैं और जानकारों का मानना है कि उन्हें भ्रष्टाचाररोधी प्रोटोकॉल के बारे में अच्छी तरह से पता होना चाहिए। अधिकारी ने कहा, ''यह अनजाने में हो सकता है, लेकिन इस पर कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि यह नियमों का उल्लंघन है। चेतावनी दी जाएगी या प्रतिबंध लगाया जाएगा, इसका फैसला मैच रेफरी और एसीयू (भ्रष्टाचार निरोधक इकाई) की रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा।

पहले दिन तीन घंटे के खराब खेल से हमें नुकसान हुआ: विशाल उप्पल

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय कप्तान विशाल उप्पल ने बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के एशिया-ओशिनिया ग्रुप एक में अपनी टीम के तीसरे स्थान पर रहने के लिए पहले दिन 'तीन घंटे के खराब खेल' को जिम्मेदार ठहराया जिससे भारत विश्व ग्रुप प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने से चूक गया। भारत ग्रुप एक में ही रहेगा जबकि शीर्ष पर रहने वाली दो टीम थाईलैंड और इंडोनेशिया ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया। एक सप्ताह के उतार-चढ़ाव भरे प्रदर्शन पर बात करते हुए उप्पल ने कहा कि थाईलैंड के खिलाफ धीमी शुरुआत एक कड़े मुकाबले में महंगी साबित हुई। उप्पल ने शनिवार को फाइनल मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराने के बाद कहा, ''सबसे बड़ी खुशी तो यही है कि हमने कोरिया को हरा दिया। लेकिन दुख की बात यह है कि हमने सप्ताह की शुरुआत में तीन घंटे खराब टेनिस खेली, जिसकी वजह से हम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाए। भारत ने क्वालीफाई करने की उम्मीदों के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश किया था, लेकिन थाईलैंड के खिलाफ हार उसे भारी पड़ी। उप्पल ने कहा, ''अभी बहुत दुख हो रहा है। प्रतियोगिता से पहले हम जानते थे कि क्वालीफाई करने के लिए हमें थाईलैंड और कोरिया को हराना होगा। अगर हमने पहले दिन दो-तीन घंटे खराब टेनिस नहीं खेली होती तो कहानी कुछ और ही होती। थाईलैंड के खिलाफ मुकाबले में वैष्णवी अडकर पहले एकल मैच में हार गईं। इसके बाद बारिश से प्रभावित दूसरे एकल मैच में सहजा यमलापल्ली को हार का सामना करना पड़ा। थाईलैंड ने इंडोनेशिया को पीछे छोड़ते हुए तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत को इंडोनेशिया से भी करीबी हार का सामना करना पड़ा। सीनियर खिलाड़ी अंकिता रैना ने कहा कि रैंकिंग की परवाह किए बिना देश की तरफ से खेलने का एक अलग उत्साह होता है।

सीएसके के गेंदबाजी कोच सिमंस ने कहा, लड़के हारते-हारते थक गए थे

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने कहा कि लगातार तीन हार से टीम का मनोबल नहीं गिरा था, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि खिलाड़ी 'हारते-हारते थक चुके थे। पांच बार के चैंपियन सीएसके ने दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से हराकर हार का सिलसिला तोड़ा और इस तरह से वर्तमान सत्र में अपना खाता खोला। सिमंस ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''हमारे खिलाड़ी इस मैच को जीतने के लिए वास्तव में बेताब थे। मुझे लगता है कि लगातार तीन मैच हारने के बाद हम हारते-हारते थक गए थे। उन्होंने कहा, ''आज ड्रेसिंग रूम का माहौल बहुत अच्छा है, लेकिन यह कभी खराब भी नहीं था। मुझे लगता है कि लोगों ने आरसीबी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) के खिलाफ मैच देखा और

सोचा कि ओह, हम बहुत पीछे हैं लेकिन हमें कभी ऐसा नहीं लगा कि हम बहुत पीछे हैं। सिमंस ने कहा, ''इस टूर्नामेंट में लय हासिल करना और सकारात्मक बने रहना बेहद महत्वपूर्ण है। इस जीत के बाद टीम का माहौल सकारात्मक है। लेकिन इससे पहले अभ्यास सत्र के दौरान भी खिलाड़ियों का रवैया अच्छा रहा। दक्षिण अफ्रीका के रहने वाले सिमंस से जब पूछा गया कि क्या पिछले मैचों में कुछ कमी रह गई थी, उन्होंने कहा, ''नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। मेरे कहने का मतलब है कि थोड़ा आत्मविश्वास की कमी थी। यह अजीब बात है लेकिन अक्सर फील्डिंग ही टीम का मिजाज तय करती है और सरफराज ने जब हवा में लहराते हुए कैच लिया तो इससे पूरी टीम का मनोबल बढ़ जाता है। ये छोटी-छोटी चीजें काफी मायने रखती हैं। संजू सैमसन ने 56 गेंद में 115 रन बनाए जबकि आयुष म्हात्रे ने भी 59 रन की तूफानी पारी खेली जिससे सीएसके ने दो विकेट पर 212 रन बनाए। इसके बाद जेमी ओवरटन के 18 रन देकर चार विकेट की मदद से सीएसके ने दिल्ली कैपिटल्स को 189 रन पर आउट कर दिया। सैमसन की तारीफ करते हुए सिमंस ने कहा, ''मुझे एमएस धोनी के साथ कई साल काम करने का सौभाग्य मिला है। वह उन सबसे शांत क्रिकेटरों में से एक हैं जिनसे मैं मिला हूं। संजू सैमसन भी उन्हीं की तरह हैं। वह खेल को उसी नजरिए से देखते हैं। मैंने उन्हें कभी बेचैन नहीं देखा।

दिल्ली-एनसीआर में पीएनजी का तेजी से विस्तार, पुलिस थानों से लेकर रेस्तरां तक पहुंचा आईजीएल नेटवर्क

एजेंसी

नयी दिल्ली। इंद्रप्रस्थ गैस लि. (आईजीएल) ने दिल्ली-एनसीआर में पाइप के जरिये खाना पकाने की गैस (पीएनजी) का कनेक्शन देने का काम तेज कर दिया है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी कमल किशोर चटिवाल का कहना है कि आईजीएल का उद्देश्य रसोई गैस (एलपीजी) पर दबाव कम करना और अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को सुविधाजनक विकल्प उपलब्ध कराना है। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच ऊर्जा की आपूर्ति बाधित होने के बाद सरकार पीएनजी को काफी बढ़ावा दे रही है और इसे एलपीजी के एक सुविधाजनक विकल्प के रूप में पेश कर रही है। चटिवाल ने बताया कि पहले आईजीएल रोजाना 600-700 पीएनजी कनेक्शन देती थी, जिसे अब बढ़कर 2,100-2,200 प्रतिदिन कर दिया गया है। कंपनी का लक्ष्य इस संख्या को बढ़ाकर 5,000 प्रतिदिन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि कंपनी अब केवल घरेलू रसोई तक सीमित नहीं है, बल्कि फास्ट-फूड श्रृंखला और पुलिस स्टेशनों को भी पीएनजी कनेक्शन देने पर ध्यान दे रही है। हाल ही में एलपीजी आपूर्ति में बाधा के कारण कई तत्काल खाने का सामान उपलब्ध कराने वाले फास्ट-फूड आउटलेट प्रभावित हुए हैं। देश की सबसे बड़ी शहर गैस वितरक कंपनी आईजीएल अब तक दो प्रमुख फास्ट-फूड श्रृंखला की 100 से अधिक दुकानों को पीएनजी से जोड़ चुकी है और इतने ही कनेक्शन प्रक्रिया में हैं। कुल मिलाकर आईजीएल की योजना लगभग 400 आउटलेट को पीएनजी से जोड़ने की है। इसके साथ ही, दिल्ली के सभी पुलिस थानों को पीएनजी कनेक्शन देने की प्रक्रिया भी जारी है, जिससे कैंटीन में एलपीजी सिलेंडर के रिफिल की समस्या से राहत मिलेगी। नयी दिल्ली के कारोबारी केंद्र कनॉट प्लेस में भी अब पीएनजी नेटवर्क पर काम शुरू हो गया है। पहले अनुमति न मिलने के कारण इस क्षेत्र में पीएनजी की पहुंच नहीं थी। हालांकि, अब सरकार द्वारा नियमों में ढील दिए जाने के बाद इसपर काम शुरू हो गया है। अधिकारी ने बताया कि अब पाइपलाइन कनॉट प्लेस के आउटर सर्किल में पहुंच चुकी है। चटिवाल ने बताया कि कंपनी अगले 90 दिन में अपने परिचालन वाले क्षेत्र में 4.85 लाख नए कनेक्शन देने का लक्ष्य लेकर चल रही है। उन्होंने कहा कि भारत के पास प्राकृतिक गैस की पर्याप्त उपलब्धता है, जिसे पाइप के जरिये घरों में रसोई में पहुंचाया जाता है। इसके अलावा इसकी आपूर्ति उद्योगों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों मसलन होटल और रेस्तरां को की जाती है।

टीसीएस ने 2026-27 में 25,000 नए स्नातकों को नौकरी की पेशकश दी, और भर्तियां मांग पर निर्भर :अधिकारी

मुंबई। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 25,000 नए स्नातकों (फ्रेशर) को नौकरी देने की पेशकश की है। कंपनी ने संकेत दिया है कि आगे की नियुक्तियां बाजार में मांग की स्थिति पर निर्भर करेंगी। टीसीएस के मुख्य कार्यकारी एवं प्रबंध निदेशक के कृतिवासन ने साक्षात्कार में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 44,000 नए स्नातकों की नियुक्ति की थी, जो देश में निजी क्षेत्र में किसी कंपनी द्वारा की गई भर्तियों का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि 2026-27 के दौरान हमने 25,000 नए स्नातकों को नौकरी देने की पेशकश की है। मांग पर स्थिति स्पष्ट होने के बाद हम और नियुक्तियां करेंगे।

लक्जरी कार कंपनियों को उम्मीद, पश्चिम एशिया में 'युद्धविराम' से ग्राहकों की शोरूम में होगी वापसी

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में 'युद्धविराम' के बाद भारत में बाजार धारणा में सुधार होने और लक्जरी कारों के खरीदारों के एक बार फिर शोरूम में वापस लौटने की उम्मीद बढ़ी है। देश में मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू ग्रुप और ऑडी के शीर्ष अधिकारियों ने यह राय जाहिर की है। देश में लक्जरी कार कंपनियों ने युद्ध के चलते कलपुर्जों ओर किट का स्टॉक किया है और अब उन्हें उम्मीद है कि आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव कम होगा और वे स्थिति के जल्द सामान्य होने की उम्मीद कर रही हैं। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हरदीप सिंह बराड़ ने कहा, ''युद्धविराम सही समय पर हुआ है। यह हमारे खरीदारों की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। वे अपनी खरीद को लेकर इस बात पर निर्भर थे कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीजें क्या रूप लेती हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि इस मुद्दे को सुलझा लिया जाए। उन्होंने कहा, ''अगर यह मुद्दा खत्म हो जाता है, तो हमें उम्मीद है कि बहुत से ग्राहक जिन्होंने पहली तिमाही में अपनी खरीदारी रोकी हुई थी, वे वापस आएंगे और महंगी कार खरीदेंगे। इसी तरह की राय जताते हुए मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने कहा, ''मार्च में हमें अब तक के सबसे अच्छे ऑर्डर मिले। हालांकि, ये ऑर्डर आगे लिए टाल दिए गए हैं, लेकिन इन्हें रद्द नहीं किया गया है। ज्यादातर ग्राहक अप्रैल या भविष्य में डिलिवरी लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण पूंजी बाजार में बदलते हालात की वजह से धारणा कुछ सुस्त थी, लेकिन हमें लगता है कि अप्रैल और उसके बाद के महीने अच्छे होने चाहिए, क्योंकि कुछ इलाकों में त्योहार भी हैं।''

संक्षिप्त समाचार

एफपीआई ने अप्रैल के पहले 10 दिन में भारतीय शेयर बाजार से 48,213 करोड़ रुपये निकाले

नयी दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार से अप्रैल महीने में भी अपनी बिकवाली जारी रखी है। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक वृहद आर्थिक अनिश्चितता के बीच निवेशकों ने अप्रैल के पहले 10 दिन में ही 48,213 करोड़ (करीब 5.14 अरब डॉलर) के शेयर बेचे हैं। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ की निकासी की थी, जो अब तक का निकासी का सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा है। हालांकि, फरवरी में उन्होंने 22,615 करोड़ का निवेश किया था, जो पिछले 17 माह का उच्चस्तर है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक विदेशी निवेशकों की कुल निकासी बढ़कर 1.8 लाख करोड़ से अधिक हो चुकी है। केवल अप्रैल में ही 10 तारीख तक उन्होंने 48,213 करोड़ निकाले हैं। विश्लेषकों के अनुसार, यह लगातार बिकवाली वैश्विक आर्थिक दबाव और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों का परिणाम है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई को लेकर चिंताएं फिर बढ़ गई हैं। वहीं, जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार का मानना है कि पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न ऊर्जा संकट, रुपये में कमजोरी और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित असर की वजह से एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे बाजार फिलहाल विदेशी निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बने हुए हैं, क्योंकि वहां प्रतिफल की संभावनाएं भारत की तुलना में बेहतर मानी जा रही हैं। हाल ही में अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बावजूद बिकवाली पर कोई खास असर नहीं पड़ा। एंजल वन के वरिष्ठ विश्लेषक वकार जावेद खान के अनुसार, निवेशकों ने शेयर बाजार में तेजी का इस्तेमाल अपनी हिस्सेदारी घटाने के अवसर के रूप में किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार तीन प्रमुख कारकों पर निर्भर करेगा। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य का सामान्य रूप से खुलना, रुपये की स्थिरता और कंपनियों के चौथी तिमाही के बेहतर नतीजे जैसे कारक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यदि वैश्विक परिस्थितियां अनुकूल होती हैं, तो निवेश प्रवाह में तेजी से बदलाव संभव है।

पश्चिम एशिया संघर्ष ऊर्जा सुधारों, उद्योग के लिए बिजली की लागत घटाने का बड़ा अवसर : अर्थशास्त्री

मुंबई। पश्चिम एशिया संघर्ष ने जहां ऊर्जा के मोर्चे पर भारत की 'कमजोरी' को उजागर किया है, वहीं यह वृद्धि के लिए जरूरी क्षेत्रों में सुधार शुरू करने और उद्योग के लिए बिजली की दरें घटाने का अच्छा अवसर है। एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री ने यह बात कही है। एक्सिस बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री की बाहरी सलाहकार परिषद के सदस्य नीलकंठ मिश्रा ने कहा कि भविष्य की वृद्धि के लिए ऊर्जा का इस्तेमाल सावधानी से करने की जरूरत है। हाल ही में कोटक प्राइवेट बैंकिंग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मिश्रा ने कहा, ''हमारे पास दुनिया की सबसे सस्ती ऊर्जा है। घरों और किसानों के लिए दुनिया की सबसे सस्ती बिजली है, और हमारे पास उद्योग और वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए दुनिया की सबसे महंगी बिजली है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश, जिसके पास ऊर्जा की कमी है, उसे सबसे पहले उसकी कीमत 'ठीक' करनी चाहिए जिससे भविष्य की वृद्धि का मार्ग सुनिश्चित हो सके। मिश्रा ने कहा, ''मैं सरकार से बार-बार कह रहा हूं कि देखिये, यह जरूरी है कि उद्योग को सस्ती बिजली मिले क्योंकि तब आप नौकरियां पैदा करते हैं। लोगों को मुफ्त बिजली देने के बजाय उन्हें बिजली के दाम देने में सक्षम बनाया जाए।'' उन्होंने आगे कहा कि एक महीने से ज्यादा समय से चल रहा पश्चिम एशिया संघर्ष ऊर्जा की सही कीमत तय करने का एक 'बड़ा मौका' है।

एनसीएलएटी का आदेश, रियल्टी कंपनी के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया सिर्फ संबंधित परियोजना तक सीमित रहेगी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि रियल एस्टेट कंपनियों के खिलाफ शुरू की गई कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) केवल उसी परियोजना तक सीमित रहनी चाहिए जिसमें चूक (डिफॉल्ट) हुई है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया है कि इसे कॉरपोरेट देनदार की अन्य परियोजनाओं तक नहीं बढ़ाया जाना चाहिए। न्यायाधिकरण ने कहा कि किसी रियल एस्टेट कंपनी की सभी परियोजनाओं को दिवाला कार्रवाई के तहत लाना न तो चूक वाली परियोजना के घर-खरीदारों और न ही अन्य परियोजनाओं के हितधारकों के हित में है। न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया कि यदि किसी विशेष परियोजना के घर के खरीदार धारा सात के तहत आवेदन करते हैं, तो सीआईआरपी उसी परियोजना तक सीमित रहेगी। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने यह फैसला नवीन एम रहेजा की अपील पर सुनाया है। चेयरपर्सन न्यायमूर्ति अशोक भूषण और सदस्य (तकनीकी) बरुण मित्रा की एनसीएलएटी की पीठ ने कहा कि ऐसी परियोजनाएं जो संबंधित मामले से जुड़ी नहीं हैं, उनको सीआईआरपी में शामिल करना घर खरीदारों और अन्य हितधारकों के हित में नहीं है। पीठ ने स्पष्ट किया कि कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया संबंधित परियोजना तक सीमित रहनी चाहिए। एनसीएलएटी ने पिछले महीने रहेजा डेवलपर्स की एक अन्य परियोजना पर आदेश पारित करते हुए यह व्यवस्था दी थी कि सीआईआरपी सिर्फ एक परियोजना 'रहेजा शिलास' तक सीमित रहेगी। इसी सिद्धांत के आधार पर एनसीएलएटी ने कहा कि रहेजा डेवलपर्स के खिलाफ मौजूदा दिवाला प्रक्रिया सिर्फ 'कृष्णा हाउसिंग स्कीम' तक सीमित रहेगा। यह पूरे समूह के खिलाफ नहीं है। अंतिम आदेश जारी करते हुए एनसीएलएटी ने कहा कि रियल्टी कंपनी के खिलाफ परियोजना आधारित दिवाला प्रक्रिया के दौरान ऋणदाताओं और हितधारकों के दावे सिर्फ संबंधित परियोजना तक सीमित रहेंगे।

अमरावती के विकास के लिए विश्व बैंक ने 34 करोड़ डॉलर जारी किए

अमरावती। विश्व बैंक ने अमरावती राजधानी चरण-1 के विकास के लिए अब तक 34 करोड़ डॉलर जारी किए हैं। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आंध्र प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से अप्रैल के अंत तक अतिरिक्त 15 करोड़ डॉलर मिलने की संभावना है। अधिकारी ने कहा, ''अप्रैल में हमें दोनों संस्थाओं (विश्व बैंक और एडीबी) से लगभग 13-15 करोड़ डॉलर और मिलेंगे। इस ऋण पर ब्याज दर लगभग 8 से 8.5 प्रतिशत के बीच होगी, जो अंतरराष्ट्रीय दरों के आधार पर घटती-बढ़ती रहेगी। विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अमरावती राजधानी चरण-1 के विकास के लिए कुल 160 करोड़ डॉलर (प्रत्येक द्वारा 80 करोड़ डॉलर) देने की प्रतिबद्धता जताई है।

वृहत आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

एजेंसी

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्ध विराम पर सहमति से घरेलू शेयर बाजारों बीते सप्ताह रही जबरदस्त तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों को नजर वृहत आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी। आने वाले सप्ताह में अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी शांति वार्ता की प्रगति बाजार को सबसे अधिक प्रभावित करेगी। साथ ही घरेलू स्तर पर खुदरा महंगाई, थोक महंगाई और आयात-निर्यात के आंकड़े भी जारी होने हैं जिनका बाजार पर बड़ा प्रभाव देखा जायेगा। निवेशकों की नजर कंपनियों के तिमाही परिणामों पर भी रहेगी। गत सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 4.230.70 अंक (5.77 प्रतिशत) की साप्ताहिक बढ़त में एक महीने के उच्चतम स्तर 77,550.25 अंक पर

बंद हुआ। बाजार में गुरुवार को छोड़कर सभी चार दिन लिवाली का जोर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक सप्ताह के दौरान 1,337.50 अंक यानी 5.89 फीसदी चढ़कर 24,050.60 अंक पर बंद हुआ। यह इसका भी एक महीने का उच्चतम स्तर है। मझौली और छोटी कंपनियों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 7.74 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 7.60 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गयी। बीते सप्ताह सेसेक्स की 30 में से 26 कंपनियों के शेयर हरे निशान में और अन्य चार के लाल निशान में रहे। एक्सिस बैंक में सबसे अधिक 12.79 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी रही। बजाज फाइनेंस का शेयर 11.86 फीसदी, ट्रेंट का 10.28, बजाज फिनसर्व का 10.24, टाइटन का 9.87, एलएंडटी का 9.58 और अल्ट्राटेक सीमेंट का 9.06 प्रतिशत चढ़ गया। एशियन पेंट्स में 8.76 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक में 8.71, इंडिगो में 8.62, मारुति सुजुकी में 8.54, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 8.31, एचडीएफसी बैंक में 7.90, अडानी पोर्ट्स में 7.10 और टाटा स्टील में 6.47 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गयी।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जिलाधिकारी ने श्रमिकों के आंदोलन के मद्देनजर की उद्योगपतियों के साथ बैठक, सरकार के नियम–निर्देश के पालन पर दिया जोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश के जनपद गौतम बुद्ध नगर में पिछले तीन दिनों से विभिन्न जगहों पर फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिकों के उग्र आंदोलन के मद्देनजर रविवार को गौतम बुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम ने विभिन्न उद्यमी संगठनों और उद्योगपतियों के साथ बैठक की। उधर सोमवार को भी गौतम बुद्ध के विभिन्न जगहों पर स्थित उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों द्वारा उग्र प्रदर्शन को देखते हुए जिला प्रशासन ने पुख्ता तैयारी की है। गौतम बुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम ने 'हिन्दुस्थान समाचार' को बताया कि रविवार को उद्योगपतियों और विभिन्न औद्योगिक संगठनों के नेताओं के साथ हुई बैठक में स्पष्ट किया गया कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार किसी भी श्रमिक को अनावश्यक रूप से सेवा से नहीं निकाला जाएगा। ओवरटाइम का भुगतान दोगुनी दर से किया जाएगा तथा उसमें किसी प्रकार की कटौती नहीं की जाएगी। प्रत्येक श्रमिक को साप्ताहिक अवकाश प्रदान किया जाएगा और यदि रविवार को कार्य कराया जाता है तो उसका भुगतान भी दोगुनी दर से किया जाएगा। सभी श्रमिकों को नियमानुसार बोनस का भुगतान अधिकतम 30 नवंबर तक उनके बैंक खातों में सुनिश्चित किया जाएगा। प्रत्येक कारखाने में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति गठित की जाएगी, जिसकी अध्यक्ष महिला होगी।

साथ ही शिकायत पेटी की स्थापना कर श्रमिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाएगा। प्रत्येक श्रमिक का वेतन प्रत्येक माह की 10 तारीख के भीतर एकमुश्त भुगतान किया जाएगा तथा सभी को वेतन पर्ची अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। आंदोलन में सम्मिलित किसी भी श्रमिक या प्रतिनिधि के विरुद्ध कोई उत्पीड़नात्मक अथवा सेवा समाप्ति की कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा घोषित या लागू की जाने वाली वेतन वृद्धि को प्रभावी तिथि से ही सभी श्रमिकों को प्रदान किया जाए। उन्होने कहा कि सभी सेवायोजकों एवं कारखाना प्रबंधन को निर्देशित किया है कि उपरोक्त सहमत बिंदुओं का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रमिकों के अधिकारों का हनन किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा तथा किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि संबंधित विभागीय अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर अनुपालन की स्थिति की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए, ताकि जनपद में औद्योगिक शांति एवं समन्वय बना रहे।

पत्नी की अश्लील फोटो पति ने सोशल मीडिया पर किया वायरल, मुकदमा दर्ज

नोएडा। थाना दादरी में एक महिला ने अपने पति को नामित करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसने उसकी अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी है। महिला ने आरोप लगाया है कि वह पहली पत्नी के होते हुए बिना तलाक लिए उससे दूसरी शादी कर लिया था। महिला के अनुसार वह उसके साथ क्रूरता करता है इसलिए उसने तलाक का मुकदमा कोर्ट में डाला है। थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एक महिला ने रविवार को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी शादी विमल कोचर नामक व्यक्ति के साथ हुई।

वाराणसी के घाटों पर पर्यटकों ने निशुल्क वाईफाई सुविधा का लिया लाभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में रविवार को अस्सी घाट पर पहुंचें पर्यटकों ने निशुल्क वाईफाई सेवा का लाभ लिया। इस दौरान पर्यटकों ने बीएसएनएल की ओर दी जा रही इस सेवा कार्य की सराहना की। पर्यटक संजीव और आलोक ने कहा कि छुट्टी का दिन होने के कारण वह ट्रेन से सुबह के वक्त वाराणसी पहुंचे। यहां घूमते हुए अस्सी घाट पर उन्हें निशुल्क वाईफाई की सुविधा की जानकारी हुई और इस सुविधा का उन्होंने लाभ उठाया। सुलतानपुर से आए पर्यटकों ने कहा कि वाराणसी में घूमने वाली जगह पर इसी तरह वाईफाई की सुविधा निशुल्क उपलब्ध होगी, जिससे बाहर से आने वाले लोगों को अपने मोबाइल पर इंटरनेट की स्पीड धीमी होने के बाद इसका लाभ उठा सकेंगे। घाट पर उपलब्ध निशुल्क वाईफाई सुविधा बेहद अच्छी शुरुआत है। बीएसएनएल के प्रधान महाप्रबंधक अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि अस्सी घाट और दशाश्वमेध घाट पर निशुल्क वाईफाई सर्विस की शुरुआत की गई है। 24 घंटे पहले शुरू हुई निशुल्क वाईफाई की सुविधा का पर्यटक और स्टूडेंट लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए बीएसएनएल ने दोनों घाटों पर फ्री वाईफाई जोन के बोर्ड लगा दिए गए हैं। उन पर अंकित क्यूआर कोड को स्कैन कर आसानी से इंटरनेट सेवा का लाभ लिया जा सकता है।

''अलविदा आशा जी: वो आवाज़ जो हर दिल में बसती थी, आज खामोश हो गई''

प्रिंस यादव

मुंबई। भारतीय संगीत जगत आज एक ऐसी आवाज़ खो बैठा है, जिसने न सिर्फ गाने गाए, बल्कि पीढ़ियों की भावनाओं को सुरों में पिरो दिया। महान पार्श्व गायिका आशा भोसले का आज 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके जाने से सिनेमा और संगीत की दुनिया में एक ऐसा सन्नाटा छा गया है, जिसे भर पाना लगभग असंभव है।

एक आवाज़ जिसने वक्त को मात दी

1943- महज़ 10 साल की उम्र३ और एक नन्ही बच्ची, जिसने अपनी आवाज़ से जीवन की लड़ाई शुरू की। पहला गीत मेरा पिया गया राजस्थान– और मेहनताना केवल ?6। लेकिन यही 6 उस दौर में उनके परिवार के लिए उम्मीद की किरण बना, खासकर विभाजन के उथल-पुथल भरे समय में। लता मंगेशकर की छोटी बहन होने के बावजूद, आशा जी ने अपनी पहचान खुद बनाई–संघर्ष, मेहनत और अद्भुत बहुमुखी प्रतिभा के दम पर।

हर रंग में ढली आवाज़

चाहे वो रोमांस हो, दर्द हो, मस्ती हो या फिर बाग़ी अंदाज़–आशा भोसले हर मूड में ढल जाती थीं।

पिया तू अब तो आजा - एक आकर्षक ऊर्जा

दम मारो दम- युवा पीढ़ी की विद्रोही धुन

ग़ज़लों से लेकर कैबरे तक–हर शैली में उनका महारत

80 वर्षों के अपने करियर में उन्होंने 12,000+ गीत गाकर एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जो आज भी प्रेरणा है।

सम्मान और विरासत

भारतीय संगीत को समृद्ध बनाने के लिए उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाज़ा गया:

पद्म विभूषण

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान

लेकिन सबसे बड़ा सम्मान था–लाखों दिलों में बसी उनकी आवाज़।

आखिरी सुर, जो हमेशा गूंजेगा

उनके अंतिम शब्द आज हर संगीत प्रेमी के दिल को छू रहे हैं:

गीत मरते नहीं, बस इंतज़ार करते हैं अगले दिल का।

यह सिर्फ एक वाक्य नहीं, बल्कि उनकी पूरी जिंदगी का सार है।

एक युग का अंत या एक अमर शुरुआत?

आज जब आशा भोसले हमारे बीच नहीं हैं, तो ऐसा लगता है जैसे एक पूरा युग खत्म हो गया। लेकिन सच यह है कि उनकी आवाज़, उनके गीत, और उनकी विरासत–हमेशा जिंदा रहेंगे।

रेडियो की हर धुन में, पुराने कैसेट्स की खनक में, और नई पीढ़ी के रीमिक्स में–आशा भोसले हमेशा जीवित रहेंगी।

अलविदा आशा जी आप गई नहीं हैं–बस अब हर दिल में गूंजने लगी हैं।

विश्व हिन्दू महासंघ के 45वें स्थापना दिवस पर निकली भव्य 'वंदे मातरम्' शोभा यात्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

देवरिया। विश्व हिन्दू महासंघ के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को शहर में भव्य 'वंदे मातरम' शोभा यात्रा निकाली गई। इस आयोजन में हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं, युवाओं और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभा यात्रा पुरवा चौराहा से प्रारंभ होकर सुभाष चौक, रुद्रपुर मोड़ होते हुए शहीद रामचंद्र विद्यार्थी पार्क पर जाकर समाप्त हुई। यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के जयघोष से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष संजय तिवारी ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना और सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर नीरज शाही, ब्लॉक प्रमुख पिंटू जायसवाल तथा मंडल प्रभारी बृजेश तिवारी सहित संगठन के कई पदाधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में युवाओं और महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। आकर्षक झांकियां और राष्ट्रभक्ति गीत लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

पत्नी बच्चे के साथ दर्शन करने गए चोर ने मंदिर से पार किये चांदी के 07 मुकुट, घटना सीसीटीवी में कैद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। हरबंश मोहाल थाना क्षेत्र अंतर्गत सिद्धिविनायक गणेश मंदिर में पत्नी और बच्चे के साथ दर्शन करने आए शातिर चोर ने भगवान के करीब एक किलो वजनी चांदी के सात मुकुट पार कर दिए। सारी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिस समय की घटना घटित हुई मंदिर पुजारी परिसर में मौजूद नहीं थे। सूचना पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी के आधार पर शातिर चोर की तलाश में जुट गई है। घंटाघर चौराहा स्थित सिद्धिविनायक मंदिर द्वितीय तल पर भगवान गणेश की आठ मूर्तियां हैं। जहां सुबह से शाम तक हजारों की संख्या में भक्त भगवान के दर्शन कर वापस लौट जाते हैं। हालांकि मंदिर परिसर में ही पुजारी अपने परिवार के साथ रहते हैं, लेकिन पिछले दो दिनों से वहां अपने परिवार के साथ कहीं बाहर गए हुए थे। इसी बीच शनिवार को एक युवक अपनी पत्नी और बच्चे के साथ सिर पर हेलमेट लगाकर मंदिर पहुंचा। इस दौरान उसने मौका पाकर 10 में से साथ मूर्तियों के मुकुट पार कर दिए। इन सभी मुकुटों का वजन करीब एक किलो बताया जा रहा है। देर रात मंदिर कमेटी के सदस्य सुरेंद्र सिंह पहुंचे। तो उन्होंने पाया कि भगवान के मुकुट गायब है। ऐसे में परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे जांचे गए तो उसमें मूर्ति के मुकुट निकालता हुआ कैद हो गया। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर पड़ताल में जुट गई है। सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली आशुतोष कुमार सिंह ने रविवार को बताया कि मंदिर प्रबंधन की ओर से तहरीर प्राप्त कर ली गई है। चोर सीसीटीवी फुटेज में भी कैद हो गया है। अनुमानित उसने 600 ग्राम चांदी के मुकुट चुराए हैं। उसे पकड़ने के लिए पुलिस की चार टीमों का गठन किया गया है। जो मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रहीं हैं। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

श्रमिक आंदोलन के मद्देनजर पुलिस आयुक्त ने की बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर में विभिन्न मांगों को लेकर श्रमिकों द्वारा किए जा रहे तीन दिन से धरना प्रदर्शन के मद्देनजर रविवार को पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने थाना फ़ेस- दो में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। सोमवार को भी श्रमिकों के धरना प्रदर्शन को देखते हुए पुख्ता इंतजाम किया गया है। इसी बीच जिला प्रशासन, श्रम विभाग और पुलिस के आला अधिकारी श्रमिकों और उद्योग पतियों से बातचीत कर समस्या का समाधान करने में जुटे हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने उद्योग संगठन के नेताओं से भी संपर्क किया है। शनिवार को नोएडा के थाना फ़ेस-दो क्षेत्र, थाना फ़ेस- 3 क्षेत्र और ईकोटेक- 3 क्षेत्र में श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन कर पथराव करने से कुछ पुलिस कर्मियों को चोट भी लगी थी। पुलिस आयुक्त ने सभी बातों को ध्यान में रखते हुए कड़ा रूख अख्तियार करते हुए आज सभी पुलिस अधिकारियों के साथ थाना फ़ेस-दो में बैठक की। उन्होंने अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था सहित कई अधिकारियों को श्रमिकों के साथ बातचीत कर इस मामले को शांतिपूर्वक निपटाने के लिए निर्देशित किया। अपर आयुक्त कानून व्यवस्था राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि श्रमिकों के आंदोलन के देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस का प्रयास है कि यह मामला शांतिपूर्ण तरीके से निपट जाए। उन्होंने बताया कि श्रमिकों के आंदोलन के मद्देनजर ड्रोन से नजर रखी जा रही है। क्षेत्रीय अभिसूचना इकाई के अधिकारियों को भी सतर्क किया गया है। फायर ब्रिगेड और दंगा नियंत्रण वाहनों को भी तैनात किया गया है।

वृंदावन नाव हादसा : युवती सहित दो शव और बरामद मृतकों की संख्या 13 हुई, तीन की खोज जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मथुरा। पंजाब के श्रद्धालुओं की वृंदावन में यमुना नदी में पलटी मोटरबोट के दो और लोगों के शव बचाव दल ने बरामद कर लिएहैं। इस हादसे में मरने वालों की संख्या 13 हो गई है। अभी तीन और लोगों की तलाश जारी है।

पंजाब के श्रद्धालुओं की मोटरबोट यमुना नदी में पटलने के बाद डूबे लोगों की तलाश में बचाव दल ने रविवार की सुबह फिर खोजबीन शुरू की।आज सुबह महिला सहित दो श्रद्धालुओं के शव बरामद हुए हैं। इस संबंध में एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि सुबह पहले यमुना नदी से एक युवक का शव बरामद हुआ है। उसकी पहचान लुधियाना के जगराओं निवासी ऋषभ शर्मा के रूप में हुई है। उसका शव अक्रूर घाट के पास मिला है। इसके बाद बचाव दल ने एक महिला का भी शव देवरहा बाबा घाट के पास बरामद किया। महिला की पहचान लुधियाना के ही अर्बन एस्टेट डूगरी निवासी 21 वर्षीय डिंकी बंसल के रूप में हुई है। हादसे में डिंकी बंसल की मां मीनू बंसल की भी मौत हो चुकी है। उनका शव शुक्रवार को ही निकाल लिया गया था।

उन्होंने बताया कि अभी पंकज मल्होत्रा, यश भल्ला और मोनिका लापता हैं। उनकी तलाश में सर्च ऑपरेशन जारी है। जिला प्रशासन के अनुसार शव नदीं में फूलकर ऊपर आ गए थे, जिन्हें रस्सियों की मदद से नाव में खींचकर बाहर निकाला गया है। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर उनकी पहचान की है। मृतक डिंकी बीए फाइनल ईयर की छात्रा थी। वहीं ऋषभ शर्मा 12वीं पास था और अपने पिता के काम में हाथ बंटाता था। शनिवार को मानिक टंडन का शव देवरहा बाबा घाट के पास मिला था। इसके साथ अब मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। डीएम सीपी सिंह ने बताया कि एडीएम पंकज वर्मा की जांच रिपोर्ट के आधार पर हादसे के सभी दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। कोई बचेगा नहीं। अभी पुलिस ने चालक और ठेकेदार को प्रारंभिक आधार पर दोषी मानकर जेल भेज दिया है। दरअसल शुक्रवार को यमुना में पैंटून पुल के पीपा से टकराने के बाद पंजाब के श्रद्धालुओं की एक मोटरबोट बीच यमुना नदी में पलट गई थी। उसी दिन चले बचाव अभियान दल ने दस शवों को बरामद कर लिया था। इसके बाद शनिवार शाम तक एक और शव मिला था। तीन लोगों की तलाश में बचाव अभियान चलाया जा रहा है। पंजाब से अपनों की तलाश में परिजन वृंदावन पहुंच चुके हैं। प्रशासन और स्थानीय पुलिस के साथ-साथ एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें भी लापता श्रद्धालुओं की तलाश में जुटी हुई हैं। यमुना के तेज बहाव और गहरे घाटों के कारण बचाव कार्य में काफी मुश्किलें आ रही हैं। बचाव टीमों ने केसी घाट से लेकर गोकुल बैराज तक यमुना नदी को सात सेक्टरों में बांटा गया है। 20 किलोमीटर के दायरे में यमुना में अब डूबे हुए लोगों की तलाश की जा रही है। डीआईजी आगरा रेंज के आदेश पर यमुना के सातों सेक्टरों में थानेदार नजर बनाए हुए है। स्थानीय गोताखोर, नाविक, पीएसी के गोताखोर, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें भी शामिल है।

भाजपा सरकार जनता के विश्वास पर खरा उतर रही है : डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी

भाजपाइयों ने किया वार्डों का भ्रमण, गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी नगर इकाई द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद देवरिया में 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' अभियान के तहत रविवार को वार्ड चलो अभियान चलाया गया। इस क्रम में महाराणा प्रताप शक्ति केंद्र, रामगुलाम टोला क्षेत्र में जनसंपर्क कर आम जनता को सरकार की उपलब्धियों की जानकारी पत्रक के माध्यम से दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष रमेश वर्मा ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा तथा गोविंद चौरसिया उपस्थित रहे। अतिथियों ने कार्यकर्ताओं के साथ वार्डों का भ्रमण किया और लाभार्थियों से मुलाकात कर उन्हें माला व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही पार्टी के वरिष्ठ एवं पुराने कार्यकर्ताओं से भी भेंट कर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने वादों को पूरी ईमानदारी के साथ पूरा किया है और आगे भी जनता के विश्वास पर खरा उतरने का कार्य करती रहेगी। जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा ने कहा कि सरकार ने सभी वर्गों के विकास के लिए समान रूप से कार्य किया है और किसी के साथ भेदभाव नहीं किया गया है। वहीं नगर अध्यक्ष रमेश वर्मा ने कहा कि सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है। कार्यक्रम में अजय कुमार सिंह, अटल बरनवाल, संजय पांडे, राजन पांडे, रविशंकर नाथ त्रिपाठी, दीपू यादव, अनूप शर्मा, सुशील सिंह, संतोष गुप्ता, दंगल सिंह, विजय बेलदार, श्रीराम प्रजापति, मुन्ना राय, गौरव सिंह, चंदन तिवारी, पिंटू तिवारी, रोहन गुप्ता, अरुण सिंह छोटू, जितेंद्र जायसवाल, बाबिता थापा, जितेंद्र वर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसी क्रम में नगर के आचार्य रामचंद्र शुक्ल शक्ति केंद्र एवं स्वामी दयानंद शक्ति केंद्र पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां डॉ. अजय मणि त्रिपाठी, अभय नाथ त्रिपाठी एवं सुधीर मद्धेशिया के नेतृत्व में सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाया गया। इस दौरान रविंद्र राव, बजरंगी मणि, जयराम तिवारी, राजेश द्विवेदी, वीरेंद्र सिंह, शीतल गुप्ता, अजय शुक्ला, सभासद रमेश मल्ल, दीपक श्रीवास्तव, हरेंद्र पाल, नीरज बाजपेई, राजीव पांडे सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।